राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

वर्ष 14,अंक 181, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

मजदूरी न मिलने से 18 साल की कर्मठता हुई बेमानी महिला मजदूर का परिवार भुखमरी की कगार पर..03

अमेरिका के मिसिसिपी के स्कूल में फायरिंग, 4 लोगों की मौत..04

पाकिस्तान के 58 सैनिक मरे, सऊदी-कतर तक मची हलचल, तालिबान के हाथ लगा मुनीर का टैंक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है. पाकिस्तान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के खिलाफ एक्शन लेते हुए अफगानिस्तान पर हमला बोला था. अब इस हमले के बाद दोनों देशों में बवाल मच गया है. खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के कई इलाकों में अफगान सैनिकों की ओर से फायरिंग की गई है. दोनों और से तोप के गोले दागे जा रहे हैं. अफगानिस्तान से जुड़े टोलो न्यूज का कहना है कि 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई है. वहीं कंधार के मैवंद जिले में इस्लामिक अमीरात बलों के समक्ष पांच पाकिस्तानी बलों के आत्मसमर्पण की भी खबर दी है. वहीं पाकिस्तान के मीडिया आउटलेस्ट एक बार फिर झूठ फैलाने में लगे हैं. जब पाकिस्तान को करारी हार मिल रही है तब दुनिया न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कई अफगान चौकियों के ध्वस्त होने की खबर दी है. साथ ही दावा किया है कि दर्जनों अफगान सैनिकों की मौत हो गई।

टैंकों से पाकिस्तान ने किया हमला

अफगानिस्तान की ओर से यह हमला तब हुआ जब तालिबान के प्रमुख शेख हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने सैनिकों से सीधे बात की थी. रेडियो संबोधन के के जरिए उन्होंने कहा था कि सिक्योरिटी फोर्सेस से जुड़े लोगों को रात के गश्ती दल में हिस्सा लेना चाहिए, अगर वे ऐसा नहीं करते तो मुझे बताएं. अफगानिस्तान की ओर से हमले के बाद पाकिस्तान ने भी तुरंत जवाबी हमला बोला. कथित तौर पर कई अफगान चौकियां पूरी तरह तबाह हो गई. पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि कई अफगान पोस्टों को आर्टिलरी, टैंकों और हवाई हमलों से निशाना बनाया गया. अफगान सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पाकिस्तान का एक टैंक अपने कब्जे में ले लिया है।

तालिबान को लगा झटका- पाक का दावा

पाकिस्तान का दावा है कि पाकिस्तान की जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद अफगान रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि 'हम पाकिस्तान पर अब कार्रवाई रोक रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान भी आगे कोई जवाबी हमला नहीं करेगा।'

'आग से खेल रहा अफगानिस्तान'

भारत की क्रिकेट ट्रॉफी को चुराने वाले पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने अफगान फायरिंग को 'अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन' बताया. उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान आग और खून वाला गेम खेल रहा है. उन्होंने कहा, 'नागरिक इलाकों पर फायरिंग करना युद्ध अपराध है. हमारी सेना तत्काल और ताकतवर जवाब दिया, उसने साबित कर दिया है कि किसी भी उकसावे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.' नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की सेनाएं 'हाई अलर्ट' पर हैं और किसी भी दुश्मनी का जवाब 'पत्थर के बदले पत्थर' से दिया जाएगा. उन्होंने यह भी संकेत दिए कि इस पूरी कार्रवाई में 'बाहरी हाथ' शामिल हैं. नकवी ने कहा, 'जो आग अफगानिस्तान में लगाई गई है, उसका धुआं बाहर से उठ रहा है.' सीधे तौर पर उनका इशारा भारत को लेकर था. वहीं पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इस दौरान अपने एक्स अकाउंट पर एक कार्टून शेयर किया।

सऊदी अरब और कतर हुए परेशान

सऊदी अरब ने पाकिस्तान-अफगान सीमा पर बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताई है. उसके विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों देशों को संयम बरतना चाहिए और संवाद से विवाद सुलझाना चाहिए. क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए शांति बेहद जरूरी है.' वहीं कतर ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया दी है. कतर विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'तनाव घटाना और संयम दिखाना ही शांति और स्थिरता की राह है. पाकिस्तान और अफगानिस्तान को कूटनीति और संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए।'

पाकिस्तान ने बॉर्डर किया बंद

सबसे लेटेस्ट अपडेट की बात करें तो पाकिस्तान ने दोनों देशों की सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों के बाद रविवार को अफगानिस्तान के साथ अपने मुख्य बॉर्डर पोस्ट को बंद कर दिया. समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अधिकारियों के हवाले से यह रिपोर्ट दी. स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की अफगानिस्तान के साथ दो मुख्य चौकियाँ टोरखम और चमन रविवार को बंद कर दी गई, साथ ही खारलाची, अंगूर अड्डा और गुलाम खान में कम से कम तीन छोटे मार्ग भी बंद कर दिए गए।

सी.एम. योगी की कड़ी चेतावनी- पराली जलाने वालों पर भारी जुर्माना

●कटेंगी सरकारी योजनाओं की सारी सुविधाएं – अब कोई नहीं बख्शा जाएगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पराली जलाने के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि धान की फसल काटने के बाद पराली जलाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। अगर कोई किसान पराली जलाता पाया गया तो उसे भारी जुर्माना देना होगा और साथ ही सरकार की कई योजनाओं का लाभ भी नहीं मिलेगा।

पराली जलाने पर भारी जुर्माना

सीएम योगी के निर्देशानुसार पराली जलाने पर पर्यावरण संरक्षण के लिए कड़ी कार्रवाई होगी। दो एकड़ से कम जमीन पर पराली जलाने पर 2,500 रुपए, दो से पांच एकड़ तक पर 5,000 रुपए और पांच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल पर 15,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, ऐसे किसानों को सरकार की सुविधाओं और

योजनाओं से वंचित भी किया जा सकता है।

नोडल अधिकारी की नियुक्ति

पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए 50 से 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। ये अधिकारी सेटेलाइट की मदद से भी निगरानी करेंगे ताकि पराली जलाने की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सके। राजस्व, पुलिस, कृषि, ग्राम्य विकास और पंचायती राज विभाग के अधिकारी मिलकर फसल कटाई के समय कड़ी निगरानी रखेंगे।

मुख्यमंत्री की अपील

योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से भी अपील की है कि वे इस अभियान में पूरी मेहनत से सहयोग करें ताकि स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त प्रदेश बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से ना केवल पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

किसानों के लिए जागरूकता और नई योजनाएं

सरकार किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक तरीके अपनाने के लिए जागरूक कर रही है। संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसके अलावा, प्रदेश के 92,000 से ज्यादा किसानों को मिनी किट वितरित की जाएगी, जिससे दलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ सके। पूरे उत्तर प्रदेश में 8,385 किसान पाठशालाएं भी शुरू की जाएंगी, जहां किसानों को नई कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही बीजों पर अनुदान देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं, ताकि किसानों की आय और उत्पादन दोनों में सुधार हो।

वन्यजीव सुरक्षा के लिए नया कदम

मानव और वन्यजीव के बीच होने वाले संघर्ष को कम करने के लिए भी सरकार ने नया कदम उठाया है। जंगल मार्गों पर थर्मल सेंसर युक्त कैमरे लगाए जाएंगे, जो वन्यजीव के जंगल से बाहर निकलते ही अलर्ट जारी करेंगे। इससे वन्यजीवों और मनुष्यों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

जीरो टॉलरेंस नहीं, जीरो काम वाली सरकार है -अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफलता को लेकर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं, दलितों और आम नागरिकों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने यह बयान एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के हवाले से दिया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लखनऊ में मीडिया से बातचीत करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ सालों में अपराध, भ्रष्टाचार और अन्याय का ग्राफ लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा, "भाजपा अपनी विफलता को छिपाने के लिए आंकड़ों का खेल खेल रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि महिलाएं और दलित सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं।

उन्होंने हाल ही में रायबरेली में हुई दलित युवक की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह मौन है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा के "जीरो

टॉलरेंस" के दावे झूठे और दिखावटी हैं। उन्होंने कहा – "यह सरकार जीरो टॉलरेंस नहीं बल्कि जीरो काम वाली सरकार है। पुलिस व्यवस्था पूरी तरह राजनीति के दबाव में है, झूठे मुकदमे और मनमानी कार्रवाई ही भाजपा शासन की पहचान बन गई है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार हर विभाग में गहराई तक फैला है, एक लेखपाल के पास 100 करोड़ की संपत्ति होना इस सरकार की असलियत उजागर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आरक्षण छीन रही है, विदेशी कंपनियों को बाजार सौंप रही है और "स्वदेशी" का केवल नारा लगा रही है। "व्यापारियों से मुनाफा कमाने दो और फिर उन्हीं से चंदा लो, यही भाजपा का नया राष्ट्रवाद है," उन्होंने तंज कसा।

सारण में दर्दनाक हादसा, तालाब में डूबने से 3 सगी बहनों की मौत..

बिहार के छपरा जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां पर तालाब में डूबने से तीन सगी बहनों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के दिघवारा प्रखंड अंतर्गत रामदास चक गांव की है। मृतक बच्चियों की पहचान घुलेटन महतो की बेटी गुंजन कुमारी (11), सपना कुमारी (9) और मंतुरणी कुमारी (7) के रूप हुई है। बताया जा रहा है कि घुलेटन महतो की चारों बेटियां घर के पास खेलने गई थीं। चारों खेलते-खेलते तालाब के किनारे पहुंचीं और नहाने के दौरान गहराई में चली गईं।चारों बच्चियों को डूबते देख आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह एक बच्ची को बाहर निकाल लिया, लेकिन तीन मासूमों को नहीं बचाया जा सका। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारत-अफगानिस्तान ने कश्मीर पर दिया संयुक्त बयान, तिलमिला उठा पाकिस्तान, अफगान राजदूत किया तलब

पाकिस्तान ने शनिवार को अफगान राजदूत को तलब कर एक दिन पहले नई दिल्ली में जारी भारत-अफगानिस्तान संयुक्त बयान पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी बृहस्पतिवार को नई दिल्ली पहुंचे। वह छह दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अतिरिक्त विदेश सचिव (पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान) ने संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में अफगान राजदूत को पाकिस्तान की "कड़ी आपत्तियों" से अवगत कराया। विदेश कार्यालय ने कहा, "यह बताया गया कि जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा बताना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन है...।" संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, अफ़ग़ानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना एवं एकजुटता व्यक्त की है। भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर ज़ोर दिया।

बाइक गैरेज में छिपाकर रखा था मादक पदार्थ, पुलिस ने मारा छापा... काले रंग के बैग से 102 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद

बिहार में सुपौल जिले के बलुआ बाजार थाने के अन्तर्गत शनिवार को पुलिस ने 102.5 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शरथ आर एस ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि बलुआ बाजार थाने के बलुआ बाजार में मोहम्मद शाबिर के मोटरसाइकिल गैराज में मादक पदार्थ छिपाकर रखा हुआ है। इसी सूचना के आधार पर आज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विभाष कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर दंडाधिकारी की उपस्थिति में छापामारी की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि तलाशी के क्रम में एक काले रंग के बैग से 102. 51 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है ।जिसकी कीमत लाखों में आंकी जा रही है। शरथ ने बताया कि गैराज मालिक मोहम्मद शाहिद को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उस पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गिरफ्तार शाबिर पर इससे पहले भी 2024 में मादक पदार्थ बेचने के दो मामले बलुआ बाजार और भीमपुर थानों में अलग अलग दर्ज है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर खींचतान जारी, दिल्ली रवाना हुए लालू और तेजस्वी यादव, राहुल गांधी से करेंगे मुलाकात!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर अनिश्चितता कुछ और समय जारी रहने की संभावना है तथा राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के अध्यक्ष लालू प्रसाद अपने पुत्र तेजस्वी यादव के साथ रविवार को दिल्ली रवाना हो गए। पार्टी ने हाल में प्रसाद को सीट वितरण और उम्मीदवार चयन पर अंतिम निर्णय लेने का "अधिकार" दिया था।

"सब ठीक है"- तेजस्वी यादव

बिहार में "महागठबंधन" के रूप में जाने जाने वाले गठबंधन में राजद का दबदबा है। इस "महागठबंधन" में कांग्रेस और वाम दल भी शामिल हैं। बाद में यही गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' नाम से जाना जाने लगा। रविवार सुबह जब पिता-पुत्र और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपने आवास से रवाना हुए तो वहां मौजूद पार्टी के टिकट दावेदारों में निराशा फैल गई जिन्हें उम्मीद थी कि नेता उनकी बात सुनेंगे। सुरक्षाकर्मियों को 10, सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी देवी के आवास से उन्हें हटाने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। यह आवास मुख्यमंत्री निवास के ठीक सामने

स्थित है। हवाई अड्डे पर लालू प्रसाद और राबड़ी देवी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया, जबकि तेजस्वी यादव ने बस इतना कहा कि "सब ठीक है"। अटकलें लगाई जा रही हैं कि राजद नेता दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों के अनुसार, कांग्रेस का मानना है कि वह 'वोटर अधिकार यात्रा' की सफलता के बाद राज्य में कमजोर नहीं रह गई है और वह लगभग उतनी ही सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है, जितनी उसने पांच साल पहले लड़ी थी। उस समय उसने 70 उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से केवल 19 ही जीत पाए थे। राजद प्रमुख के एक करीबी सहयोगी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "लालू जी और तेजस्वी जी दिल्ली इसलिए गए हैं, क्योंकि कल 'नौकरी के बदले जमीन' मामले में सुनवाई की तारीख है। हालांकि वहां वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।" राजद सूत्र ने कहा, "हमारा मन बन चुका है। हम 243 सीट में से कम से कम आधी सीट अपने पास रखेंगे। हमने 2020 के चुनाव में 140 से अधिक सीट पर चुनाव लड़ा था, इसलिए इस बार नए सहयोगियों को समायोजित करने के लिए यह पहले से ही एक तरह का 'त्याग' है।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस ही नहीं, बल्कि छोटे दलों को भी अपनी महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। तभी सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ एक विश्वसनीय चुनौती खड़ी की जा सकती है।" पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। इस चरण में 121 सीट पर छह नवंबर को मतदान होगा।

पहले डिमोशन, अब कानपुर के करोड़पति लेखपाल आलोक दूबे की और बढ़ी मुश्किलें, हुआ ये एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर में करोड़पति कानूनगो मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए कानूनगो समेत 7 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है. इसमें एक महिला लेखपाल भी शामिल है. आरोपी कानूनगो आलोक दुबे को डीएम ने पहले ही डिमोशन करके लेखपाल बना दिया है. अब सभी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है. जिले में जमीन विवाद से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था, जिसमें कानूनगो से डिमोट करके लेखपाल बने आलोक दुबे समेत सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में चार्जशीट दाखिल की गई है. मामला करोड़ों रुपये की भूमि की फर्जी रजिस्ट्री और दानपत्र से जुड़े षड्यंत्र का है, जिसमें बिल्डर और राजस्व कर्मियों की सांठगांठ सामने आई है. पुलिस जांच के बाद आरोप पत्र संख्या 158/2025 न्यायालय में दाखिल किया गया. आरोपितों में राजपति देवी, राजकुमारी देवी, रघुवीर सिंह, अरुण सेंगर उर्फ अमन सेंगर, ऋहत इंफ्रा के भागीदार अमित गर्ग, तत्कालीन लेखपाल अरुणा द्विवेदी और तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे शामिल हैं.

मामला कैसे शुरू हुआ

यह विवाद सचेंडी थाना क्षेत्र के कला का पुरवा से जुड़ा है. निवासी संदीप सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि स्व. गंगा सिंह के हिस्से की भूमि पर फर्जी रजिस्ट्री कराई गई. वादी की मां मोहनलाल उर्फ लाल साहिबा ने पहले ही अपने पति के हिस्से की जमीन का कुछ भाग वसीयत और कुछ भाग दानपत्र के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया था. इसके बावजूद राजपति देवी और राजकुमारी देवी ने संपूर्ण भूमि पर दावा करते हुए रजिस्ट्री करा ली.

नहीं हुआ चैक से भुगतान

शेष भूमि R N G इंफ्रा के भागीदार अमित गर्ग के नाम रजिस्टर्ड अनुबंध से हस्तांतरित की गई. जांच के दौरान यह भी सामने आया कि रजिस्ट्री में जिन चेक नंबरों का उल्लेख किया गया, उनका भुगतान कभी हुआ ही नहीं. विवेचना से स्पष्ट हुआ कि तत्कालीन कानूनगो आलोक दुबे और तत्कालीन लेखपाल अरुणा द्विवेदी ने यह जानते हुए भी कि विवादित भूमि खतौनी में राजपति और राजकुमारी के नाम दर्ज नहीं है, फर्जी दस्तावेज तैयार कराए. उन्होंने न्यायालय को धोखे में रखकर नाम चढ़ाने का आदेश कराया और उसी दिन रजिस्ट्री भी कराई. अपर जिलाधिकारी (वि/रा) की त्रिस्तरीय जांच रिपोर्ट में दोनों पर अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप सिद्ध हुआ. विवेचक ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि यह अपराध लोक सेवकों द्वारा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में नहीं बल्कि निजी स्वार्थ के लिए किया गया, इसलिए अभियोजन स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है.

D M ने कानूनगो का किया डिमोशन

पूरे मामले में गवाहों के बयान, घटनास्थल निरीक्षण, वसीयतनामा, दानपत्र, खतौनियां, बैंक स्टेटमेंट समेत कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया. जांच से स्पष्ट हुआ कि विक्रेताओं को कोई वास्तविक धन नहीं दिया गया और रजिस्ट्री में अंकित चेकों का भुगतान नहीं हुआ. इससे इस पूरे प्रकरण में षड्यंत्र और कूट रचना की पुष्टि हुई. विशेष बात यह है कि इस मामले में संलिप्त आलोक दुबे को जिलाधिकारी ने पहले ही डिमोशन देकर कानूनगो से लेखपाल बना दिया था.

अवैध संपत्ति की होगी जांच

इसके अलावा, विजिलेंस विभाग आलोक दुबे की अलग से जांच कर रहा है, जिसमें उनकी करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति के संकेत मिले हैं. यह तथ्य मामले को और गंभीर बना देता है. सभी आरोपितों को भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 352 और 351(3) के तहत अभियोग पाया गया है. पुलिस ने इन धाराओं के तहत गंभीर अपराध के साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए हैं. अब आरोपी न्यायालय में अभियुक्त के रूप में पेश होंगे.

इसी साल दर्ज हुई थी FIR

जिलाधिकारी के निर्देश पर ही मार्च 2025 में इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी. प्रशासन का दावा है कि भूमाफिया, बिल्डर और भ्रष्ट राजस्व कर्मियों के गठजोड़ पर यही सख्ती आगे भी जारी रहेगी. यह मामला प्रदेश में भूमाफिया और राजस्व विभाग के भ्रष्टाचार की मिलीभगत का ताजा उदाहरण है, जो यह साबित करता है कि फर्जी रजिस्ट्री और दस्तावेजों के जरिए जमीन कब्जाने की संगठित कोशिशें अब प्रशासन के रडार पर हैं. डीएम जितेंद्र प्रताप ने कहा कि सरकारी पद पर रहते हुए यदि कोई व्यक्ति भू-माफियाओं या बिल्डरों से मिलीभगत करता है तो वह कतई बख्शा नहीं जाएगा. ऐसे मामलों में न केवल विभागीय कार्यवाही होगी, बल्कि आपराधिक मुकदमे दर्ज कर विधि अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी.

रात में कॉलेज से बाहर नहीं जाना चाहिए, दुर्गापुर में MBBS स्टूडेंट से रेप पर बोलीं ममता बनर्जी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से सामूहिक बलात्कार के आरोपों को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है. रविवार को अपने उत्तर बंगाल दौरे पर रवाना होने से पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता हवाई अड्डे पर कहा कि उन्होंने पुलिस से इस घटना में सख्त कार्रवाई करने को कहा है. वहीं, सवाल उठाया कि रात को वह छात्रा कॉलेज से बाहर क्या कर रही थी? उन्होंने कहा कि सामूहिक बलात्कार के आरोप में तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि छात्रा रात में दुर्गापुर के निजी मेडिकल कॉलेज से कैसे बाहर निकली.

उन्होंने कहा, "यह घटना वाकई भयावह है. जहां तक मैंने सुना है, पीड़िता एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ती है, तो जिम्मेदार कौन है? वे रात के 12:30 बजे कैंपस छोड़कर जंगल से सटे इलाके में कैसे गईं? संबंधित निजी मेडिकल कॉलेज को इस बारे

में कार्रवाई करनी चाहिए और खासकर लड़कियों को रात में ज्यादा बाहर नहीं निकलना चाहिए. उन्हें अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करनी होगी."

लड़कियों को रात को बाहर नहीं जाना चाहिए

उन्होंने कहा किलड़की एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी. वह रात के 12:30 बजे कैसे बाहर आ गई? जहां तक मुझे पता है, घटना जंगल में हुई थी. मुझे नहीं पता कि क्या हुआ. जांच जारी है. मैं इस घटना को देखकर स्तब्ध हूं, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों को भी अपने छात्रों, खासकर लड़कियों का ध्यान रखना चाहिए."ममता बनर्जी ने कहा, "लड़कियों को रात में (कॉलेज से) बाहर नहीं जाने देना चाहिए. उन्हें अपनी सुरक्षा भी करनी होगी. यह एक जंगल क्षेत्र है. पुलिस सभी लोगों की तलाशी ले रही है. किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा. जो भी दोषी होगा उसे कड़ी सजा दी जाएगी. तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. हम कड़ी कार्रवाई करेंगे"

ओडिशा सरकार ने क्या की कार्रवाई? ममता ने पूछा सवाल

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "यह एक निजी कॉलेज है. तीन हफ्ते पहले, ओडिशा में समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ था. ओडिशा सरकार क्या कार्रवाई कर रही है?" उन्होंने कहा, "जब ऐसा दूसरे राज्यों में होता है, तो यह निंदनीय भी है. ऐसी घटनाएं मणिपुर, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा; हमें भी लगता है कि सरकार को वहां कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. हमारे राज्य में तो हमने एक-दो महीने में ही आरोप-पत्र दाखिल कर दिया और निचली अदालत ने आरोपियों को फांसी पर लटकाने का आदेश दे दिया."

मानव चेतना के संकट को अभिव्यक्त करते हैं लास्लो

कई दिनों की उत्कंठा के बाद आख़िरकार साहित्य का नोबेल पुरस्कार घोषित हो गया और इस बार भी किसी भारतीय को नहीं मिला। चर्चा थी कि अमिताव घोष या विनोद कुमार शुक्ल रवींद्रनाथ टैगोर की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे पर ऐसा हो न सका। नोबेल पुरस्कार देने वाली स्वीडिश अकादमी ने विश्व के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हंगरी के लेखक लास्लो क्रास्नाहोरकाई को चुना। ज्यूरी के मुताबिक लास्लो के लेखन में 'मानवता की नाजुकता और इतिहास की जटिलता को उजागर करने वाली गहन, अपोकैलिप्टिक(सर्वविनाशकारी) दृष्टि' है। यह लास्लो की अद्वितीय साहित्यिक उपलब्धियों और वैश्विक साहित्य में योगदान का प्रमाण है। क्रास्नाहोरकाई का साहित्य, जो अपनी जटिल संरचना, लंबे वाक्यों और दार्शनिक गहराई के लिए जाना जाता है, समकालीन विश्व की अस्थिरता और मानव चेतना के संकट को गहरे स्तर पर अभिव्यक्त करता है। क्रास्नाहोरकाई का साहित्य साम्यवाद, फासीवाद और पूंजीवाद जैसे ऐतिहासिक और राजनीतिक ढांचों के प्रभावों को गहराई से खंगालता है।उनके उपन्यास, जैसे 'सतानटैंगो' और 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस', साम्यवादी हंगरी के पतन और उसके बाद की अराजकता को चित्रित करते हैं। हालांकि, उनकी रचनाएं केवल ऐतिहासिक नहीं हैं; वे सार्वभौमिक हैं। लेखक के अनुसार, मानवता का संकट समय और स्थान से परे है। फियोना सैम्पसन का मानना है कि क्रास्नाहोरकाई का साहित्य वर्तमान विश्व की अस्थिरता को प्रतिबिंबित करता है, जहां लोकतंत्र और सभ्यता के ढांचे कमजोर पड़ रहे हैं। उनकी विचारधारा में मानव स्वभाव की नाजुकता और सत्ता के दुरुपयोग के प्रति गहरी चिंता झलकती है। क्रास्नाहोरकाई का मानना है कि मानव समाज बार-बार अपने ही बनाए ढांचों में उलझकर पतन की ओर बढ़ता है। उनकी रचनाएं व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर इस पतन को चित्रित करती हैं। उदाहरण के लिए, 'सतानटैंगो' में एक छोटे से हंगेरियन गांव में सामूहिक भ्रम और निराशा का चित्रण साम्यवाद के पतन के बाद की सामाजिक और नैतिक रिक्तता को दर्शाता है। क्रास्नाहोरकाई की लेखन शैली उनकी सबसे विशिष्ट विशेषता है। आलोचकों ने उनके लंबे, जटिल वाक्यों को 'संगीतमय और सम्मोहक' बताया है, जो पाठक को एक ट्रांस जैसी अवस्था में ले जाते हैं। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक या संवाद पर निर्भर नहीं करतीं; इसके बजाय, वे चेतना के प्रवाह और आंतरिक एकालापों पर आधारित होती हैं। उनकी शैली फ्रांज़ काफ्का और थॉमस बर्नहार्ड की परंपरा को आगे बढ़ाती है, जिसमें एक ही वाक्य कई पृष्ठों तक चल सकता है, जैसे 'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में। यह शैली पाठक के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यही उनकी रचनाओं की गहराई का रहस्य भी है क्योंकि उनके वाक्य संरचना में एक दार्शनिक और काव्यात्मक गुणवत्ता है। उदाहरण के लिए, 'वार एंड वार' में एक पांडुलिपि के माध्यम से नायक की मानसिक अवस्था को उकेरा गया है, जो वास्तविकता और भ्रम के बीच की रेखा को धुंधला करती है। उनकी रचनाएं पारंपरिक कथानक की संरचना को तोड़ती हैं और पाठक को एक गहरे, लगभग ध्यानात्मक अनुभव में डुबो देती हैं। क्रास्नाहोरकाई के उपन्यासों में प्रमुख थीम्स में अपोकैलिप्टिक (सर्वविनाशकारी) दृष्टि, सामाजिक पतन और मानव की अर्थ की खोज शामिल हैं। उनके उपन्यास 'इतिहास के अंत' की भावना को चित्रित करते हैं, जहां समाज अपने ही वजन के नीचे ढह रहा है। 'सतानटैंगो' में, एक गांव के निवासियों का एक रहस्यमय नेता के पीछे चल पड़ना इस बात का प्रतीक है कि कैसे लोग भ्रम और झूठे वादों में आसानी से फंस जाते हैं। यह उपन्यास साम्यवादी हंगरी के पतन के बाद की निराशा को दर्शाता है, लेकिन इसकी थीम्स सार्वभौमिक हैं, जो आज के लोकलुभावन और अस्थिर विश्व से भी मेल खाती हैं।

'द मेलानकली ऑफ रेसिस्टेंस' में, क्रास्नाहोरकाई सभ्यता के पतन और कला की शक्ति को एक सर्कस और एक विशाल व्हेल के प्रतीक के माध्यम से चित्रित करते हैं। यह उपन्यास सत्ता, भय और सामूहिक हिस्टीरिया के बीच तनाव को दर्शाता है। आलोचकों ने इस उपन्यास को 'आधुनिक विश्व की अराजकता का दर्पण' बताया है। उनके साहित्य में प्रतिरोध भी एक महत्वपूर्ण थीम है। उनके पात्र अक्सर अर्थहीनता और निराशा के खिलाफ लड़ते हैं, भले ही उनकी लड़ाई व्यर्थ लगे। बारन वाल्डहाइम में, एक संगीतकार अपनी कला के माध्यम से अराजकता के खिलाफ प्रतिरोध करता है, जो क्रास्नाहोरकाई की इस विश्वास को दर्शाता है कि कला, भले ही वह त्रासदीपूर्ण हो, मानवता की आखिरी उम्मीद हो सकती है। उनके साहित्य का प्रभाव समकालीन लेखकों और पाठकों पर भी गहरा है। उनकी रचनाएं पाठकों को चुनौती देती हैं कि वे न केवल कहानी, बल्कि मानव अस्तित्व के मूलभूत सवालों पर विचार करें। वस्तुतः लास्लो क्रास्नाहोरकाई का साहित्य एक ऐसी दुनिया को दर्शाता है जो अस्थिरता, भय और अर्थ की खोज से भरी है। उनकी जटिल शैली, लंबे वाक्य और दार्शनिक गहराई उनके उपन्यासों को एक अनूठा अनुभव बनाती है। उनकी रचना यात्रा एक मानसिक और भावनात्मक यात्रा है।

उनकी रचनाएं साम्यवादी हंगरी के संदर्भ से शुरू होकर वैश्विक मानवता के संकट को संबोधित करती हैं, जो उन्हें समकालीन साहित्य में एक महत्वपूर्ण आवाज बनाती हैं। नोबेल पुरस्कार ने क्रास्नाहोरकाई को वह वैश्विक मंच प्रदान किया है, जिसके वे हकदार थे। उनके साहित्य की गहनता और जटिलता पाठकों को बार-बार उनके कार्यों की ओर लौटने के लिए प्रेरित करती है। उनके उपन्यासों को पढ़ना 'एक धीमी, चिंतनशील प्रक्रिया है, जो धैर्य मांगती है, लेकिन बदले में एक गहन अनुभव देती है।' क्रास्नाहोरकाई का साहित्य याद दिलाता है कि साहित्य केवल कहानियां नहीं सुनाता, बल्कि वह हमें हमारे समय, हमारे भय और हमारी आशाओं का सामना करने के लिए मजबूर करता है।

हरीश शिवनानी

सावधान! लिवइन पार्टनर ले रहे हैं जान

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिवइन में रहने वाले युवाओं को लेकर सचेत किया है। वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के 47वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने छात्राओं को लिव इन रिलेशनशिप से दूर रहने की नसीहत दी.राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह के दौरान कहा, बेटियों से एक ही बात कहूंगी, लिव इन रिलेशन मत करिए, मत करिए. अपने जीवन का निर्णय स्वयं करिए. देखा है ना 50-50 टुकड़े होते हैं. पिछले दस दिनों से ऐसी घटनाओं की जानकारी मिल रही है. देखती हूं तो कष्ट होता है कि हमारी बेटियां ऐसा क्यों करती हैं? उन्होंने कहा कि कई बेटियां ऐसे रिश्तों में फंसकर जीवन बर्बाद कर लेती हैं. आनंदीबेन ने कहा कि बेटियों को अपने भविष्य के फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए.उन्होंने कहा कि बेटियों को लिव इन रिलेशन से बचना चाहिए. लिव इन रिलेशन का परिणाम देखना है तो अनाथालय जाकर देखिए. 15-20 साल की बेटियां एक एक साल का बच्चा लेकर लाइन में खड़ी हैं।लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जो राज्यपाल महोदया की चिंता को सही ठहराते है।

आपको बता दें कि इन दिनों भारत में 'लिव-इन रिलेशनशिप' (बिना विवाह किए सहमति सम्बन्ध) लोकप्रिय होती जा रही है। इसे कुंवारों के साथ-साथ विवाहित भी अपना रहे हैं जिन्हें अपना पति या पत्नी पसंद नहीं होती। 'लिव-इन रिलेशनशिप' एक ऐसी व्यवस्था है, जो भारत के उच्च आदर्शों से कतई मेल नहीं खाती। इसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध तक बनाते हैं। यहां तक कि कई जोड़े तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। पश्चिमी देशों में यह आम बात है और उनकी देखादेखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैल रही है।भारत में 1978 में सुप्रीमकोर्ट ने पहली बार 'लिव-इन रिलेशनशिप' को मान्यता दी थी। इसमें तलाक की नौबत तो नहीं आती, परंतु इसमें किसी एक साथी द्वारा धोखा देने के कारण दूसरे साथी की जिंदगी नरक जरूर बन जाती है। आए दिन लिवइन पार्टनर के साथ हिंसा हत्या दुष्कर्म के समाचार सुर्खियों में आ रहे हैं। दो दिन पहले 8 अक्टूबर को बिहार की राजधानी पटना से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 22 साल की एक लड़की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इस घटना की वीडियो मौके पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई. आरोप है कि लड़की के लिव-इन पार्टनर अमित कुमार ने हत्या की है. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 22 साल की रुखसार की उसके लिव-इन पार्टनर अमित कुमार ने बेरहमी से हत्या कर दी. आरोप है कि अमित ने उसे तीसरी मंजिल से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया. आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों से फ्लैट किराए पर लिया था. पुलिस फरार आरोपी और एक ऑटो चालक की तलाश कर रही है, जिसने शव अस्पताल पहुंचाने में मदद की थी। 5 अक्टूबर को खुलासा हुआ है कि गाजियाबाद में सुनीता नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर मनीष की ईंट से मारकर हत्या कर दी। शराब पीने के दौरान हुई कहासुनी में मनीष ने सुनीता को गाली दी थी जिसके बाद उसने आपा खो दिया। हत्या के बाद सुनीता ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और मनीष के दोस्तों पर आरोप लगाया। पुलिस ने बाद में सुनीता को गिरफ्तार कर लिया। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे से भी ऐसा ही वारदात की खबर है यहां चिंचवड पुलिस ने चाकन के कडाचीवाडी इलाके में 4 अक्टूबर को मिले एक अज्ञात व्यक्ति के शव की गुत्थी सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहता था और कथित तौर पर उसे लगातार परेशान करता था। महिला ने अपने भाई और उसकी मंगेतर की मदद से अपने पार्टनर की हत्या करवा दी और शव को चाकन में फेंक दिया पिछले दिनों दिल्ली में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक ट्रांसजेंडर लिव-इन पार्टनर की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि लिव इन पार्टनर की हत्या के मामले में रेहान उर्फ इक्का के साथ उसके एक साथी को भी गिरफ्तार किया है। लिव इन पार्टनर की हत्या के मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यूपी के बरेली में बीती दिनों हाईवे किनारे मिली एक घायल युवती और इलाज के दौरान उसकी मौत मामले में पुलिस ने आरोपी लिवइन पार्टनर को गिरफ्तार किया है.यह घटना प्रेम संबंध से जुड़ी थी. आरोपी डॉक्टर श्रीपाल, जो उसके साथ लिव इन में था, ने नर्स को पहले इंजेक्शन लगाया फिर उसे चलती कार से हाईवे किनारे फेंक दिया था. 21 सितम्बर को 'कानपुर' (उत्तर प्रदेश) में सूरज कुमार नामक युवक ने अपनी 'लिव इन पार्टनर आकांक्षा' को गला घोंटकर मार डाला क्योंकि उसकी दूसरी 'गर्लफ्रेंड' को आकांक्षा के साथ सूरज कुमार का रहना स्वीकार नहीं था।

मध्यप्रदेश के भोपाल में एक युवक ने लिव इन पार्टनर की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को चादर में लपेटकर बेड पर रखा। दो रात शव के पास ही सोया।वारदात के बाद युवक नशे की हालत में दोस्त के पास पहुंचा और हत्या करने की बात बताई।पुलिस ने आरोपी प्रेमी को हिरासत में ले लिया है।रितिका सेन (29) आरोपी सचिन राजपूत के साथ लिवइन रिलेशनशिप में रह रही थी। दोनों साढ़े तीन साल से एक साथ रह रहे थे। आपसी विवाद के बाद सचिन ने रितिका की हत्या कर दी। 21 सितम्बर को ही रेवाड़ी (हरियाणा) के 'बावलपुर' में रोशन नामक एक व्यक्ति ने अपनी 'लिव इन पार्टनर' के साथ किसी विवाद के चलते उसके पहले पति से जन्मी पांच वर्ष की बेटी को जमीन पर बेरहमी से पटक-पटक कर मार डाला और उसके बाद कमरा बंद कर वहां से फरार हो गया। 'खूंटी' (झारखंड) में एक 15 वर्षीय किशोरी अपने प्रेमी 'प्रेमचंद साहू' के क्रोध की बलि चढ़ गई। ये दोनों 4 महीने से 'लिव इन रिलेशन' में थे। रोज-रोज की पिटाई से तंग आकर वह अपने प्रेमी का घर छोड़कर अपने गांव वापस आ गई थी परंतु 'प्रेमचंद साहू' ने वहां भी उसका पीछा नहीं छोड़ा और उसे अपने साथ चलने के लिए मजबूर करने लगा लेकिन जब वह न मानी तो उसने चाकू से कई वार करके उसे मार डाला। 22 सितम्बर को 'पालघर' (महाराष्ट्र) में 'सुरेंद्र सिंह' नामक एक युवक के साथ 'लिव इन रिलेशन' में रहने वाली 'रेखा दुर्गा दास वैष्णव' नामक एक युवती के 'हरीश सुखाड़िया' नामक एक अन्य युवक के साथ प्रेम प्रसंग का पता चलने पर सुरेंद्र सिंह को इतना गुस्सा आया कि उसने ईर्ष्यावश हरीश की आंखों में मिर्च का पाऊडर डाल कर चाकू से वार करके उसकी हत्या कर दी। सितम्बर में ही 'बेंगलुरू' (कर्नाटक) में लोहिताश्व नामक एक व्यक्ति ने अपनी 'लिव इन पार्टनर' 'रेखा' के शरीर पर चाकू से एक दर्जन से अधिक वार करके उसकी हत्या कर दी। उसे शक था कि उसके साथ रहने के बावजूद रेखा किसी दूसरे युवक के प्रेम में फंसी हुई है 24 सितम्बर को 'आगरा' (उत्तर प्रदेश) में सन्नी नामक विवाहित युवक के साथ 'लिव इन' में रह रही युवती 'गीता देवी' उर्फ 'टोनी' ने सन्नी की मारपीट से तंग आकर आत्महत्या कर ली। 24 सितम्बर को ही 'बरेली' (उत्तर प्रदेश) हाईवे पर एक नर्स की लाश मिली जो 'शिवपाल' नामक एक डाक्टर के साथ एक वर्ष से 'लिव इन रिलेशन' में रह रही थी। उससे मन भर जाने पर डाक्टर श्रीपाल ने पहले तो उसके शरीर पर तेज धार वाले हथियार से 16 घाव किए और फिर इंजैक्शन लगाकर बेहोश करने के बाद उसे कार में डालकर हाईवे पर फैंक दिया।और अब 26 सितम्बर को मेरठ (उत्तर प्रदेश) में 'लिव इन में रह रही फिरदौस नामक महिला पर उसके 'लिव इन पार्टनर' ने चाकू से हमला करके घायल कर दिया जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्पष्ट है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय संस्कृति और परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसको सामाजिक समर्थन नहीं और जिसका परिणाम अधिकांशतः दुखद ही निकलता है। अतः इससे बचने में ही भलाई है।राज्यपाल आनंदीबेन ने लड़कियों को लिवइन के खतरों से आगाह कराते हुए अपने जीवन को मुसीबत में डालने से बचने की सलाह दी है। सरकार को भी इस संबंध में कोई कानून अवश्य बनाना चाहिए ताकि इस बुराई से मुक्ति मिल सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

शिक्षा, भाषा और संस्कृति देश की समृद्धि का पैमाना

वैश्विक समन्वय की आधारशिला

शिक्षा सदैव समाज, संस्कृति और सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील और प्रगतिशील रही है। यह न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला भी है। शिक्षा, ज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति को देश-विदेश की सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। यह असीमित भंडार है, जिसमें आकाशीय ऊँचाइयाँ भी शामिल हैं। न केवल इसकी गहराई को नापा जा सकता है, न ही इसकी ऊँचाई को देखा जा सकता है। शिक्षा और ज्ञान की यह विशालता मानव जीवन में अनंत संभावनाओं के द्वार खोलती है। पूर्वी सभ्यता, विशेषकर भारतीय परंपरा, जहाँ अध्यात्म, वेद, पुराण और योग पर आधारित है, वहाँ पश्चिमी सभ्यता विज्ञान, तकनीकी नवाचार और अनछुई रहस्यमय खोजों पर आधारित है। इन दोनों सभ्यताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में मानव जीवन को बदलने वाले अनमोल योगदान दिए हैं। उदाहरण स्वरूप, पश्चिमी विज्ञान ने मानव को चंद्रमा पर पहुँचने का अवसर दिया और आधुनिक तकनीक जैसे हवाई जहाज, इंजन, रेडियो और डिजिटल तकनीक से जीवन को सरल और उन्नत बनाया। वहीं, भारतीय ज्ञान और दर्शन ने योग, आयुर्वेद, ध्यान और जीवन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में शांति, संतुलन और आत्मसाक्षात्कार की दिशा प्रदान की। इस प्रकार शिक्षा, भाषा और ज्ञान ने पूर्व और पश्चिम के बीच समन्वय स्थापित किया। पश्चिम ने भारतीय दर्शन, आयुर्वेद और योग को अपनाकर अपनी जीवनशैली में संतुलन पाया, और भारत ने पश्चिम के विज्ञान और तकनीकी ज्ञान को अपनाकर विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ। शिक्षा और भाषा सदैव अज्ञानता के तमस में प्रकाश की तरह कार्य करती रही है। यह नवजीवन की विकास धारा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और समाज में सतत प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। भारतीय संस्कृति और दर्शन में जैन, बौद्ध, नव्य वेदांत और आधुनिक चिंतन ने समाज में नवयुग की कल्पना को साकार किया। वहीं पश्चिम के दार्शनिक और चिंतक जैसे प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स और लेनिन ने सामाजिक और राजनीतिक विकास के सिद्धांत प्रतिपादित किए, जिन्हें पूरी दुनिया ने अपनाया। इस प्रकार, दोनों सभ्यताओं में ज्ञान और विचारों का आदान-प्रदान निरंतर जारी रहा। भारतीय समाज में हमेशा सुधार और नवीन युक्तियों को अपनाने की क्षमता रही है। स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात राजनीति और समाज में हुए परिवर्तन इसका सजीव उदाहरण हैं।

उदाहरण के लिए, गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को साकार किया, जबकि जवाहरलाल नेहरू ने विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव रखी। सुभाष चंद्र बोस और बाल गंगाधर तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। इन सबके प्रयासों ने भारत को विश्व पटल पर एक नया स्वरूप और पहचान दी। पाश्चात्य ज्ञान ने हमें अपने आडंबर, अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर विजय पाने में मदद की। उदाहरण के लिए, वास्तु, जन्मकुंडली और अंधविश्वास से जुड़े कई प्रचलित विश्वासों को आधुनिक विज्ञान और शिक्षा के माध्यम से समाज से दूर किया जा सका। यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा और ज्ञान समाज में समग्र सुधार और नवप्रवर्तन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। हमारे दैनिक जीवन में भी शिक्षा, भाषा और ज्ञान हमें यह एहसास कराते हैं कि हम अभी भी कितने पीछे हैं और कितनी दूर तक सीखने की आवश्यकता है। ज्ञान का कोई अंतिम स्रोत नहीं होता; यह एक ऐसा समृद्ध भंडार है, जिसमें जितना भी सीखना संभव है, वह निरंतर बढ़ता रहता है।

अतः हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए कि हम पल-पल कुछ नया सीखें–हर व्यक्ति, हर समाज, और हर सभ्यता से। शिक्षा, भाषा और ज्ञान ही हमें समृद्ध, विकसित और परिवर्तनशील बनाते हैं। परिवर्तनशील जीवन ही नई ऊर्जा, आशा और विकास की नींव रखता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो हर मानव, हर समाज और हर राष्ट्र के लिए सीखने, अपनाने और नवाचार करने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। यही कारण है कि शिक्षा और ज्ञान न केवल व्यक्तिगत उन्नति बल्कि समग्र मानवता के विकास के लिए अनिवार्य हैं।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

ममता का नेटवर्क कभी कमजोर नहीं होता

मीलों की दूरी, पर दिलों का सेतु अब भी अटूट

दूर रहकर भी साथ-प्रेम का डिजिटल युग में पुनर्जन्म

कभी रिश्ते दूरी से टूटा करते थे, आज वही दूरी नये अर्थ रच रही है। पहले "दूर रहना" मतलब था बिछड़ जाना, अब यही दूरी "साथ रहने" की नई परिभाषा गढ़ रही है। विदेशी धरती पर बसे बच्चे, जिनकी कामयाबी माता-पिता के सीने में गर्व जगाती है, वही अब उस गर्व के पीछे छिपे सन्नाटे का कारण बन रहे हैं। यह नया युग है–जहाँ भावनाएँ ऑनलाइन सिमटती हैं, मुलाक़ातें ऑफलाइन बिखरती हैं, और अपनापन वाई-फाई के सिग्नल पर टिका है। यह कहानी है उन अनगिनत परिवारों की, जो मीलों की दूरी में भावनात्मक सेतु तलाशते हैं। यह कहानी है बदलते रिश्तों की, जहाँ प्रेम अब मीलों में नहीं, वीडियो कॉल के चंद पलों में साँस लेता है–दिलों को जोड़ता है, पर पूरी तरह पास नहीं लाता। विदेश गए बच्चे अब सिर्फ़ बेटा-बेटी नहीं, प्रवासी भारतीय बन चुके हैं। वे सपनों की उड़ान में नई ऊँचाइयाँ छू रहे हैं, पर पीछे छूट जाता है वह घर, जहाँ उनकी कहानी शुरू हुई थी। माता-पिता, जो कभी उनके जीवन का केंद्र थे, अब धीरे-धीरे हाशिए पर खिसक रहे हैं। सुबह की चाय के साथ माँ फोन की घंटी का इंतज़ार करती है; पिता टाइम ज़ोन के हिसाब से घड़ी मिलाते हैं। बच्चे, अब विदेशी शहरों की चकाचौंध में रमे, रात की थकान के बाद व्हाट्सऐप पर लिखते हैं, "माँ, अब सो जाओ।" संवाद है, पर उसमें पहले सी गर्माहट नहीं। बातचीत अब समय की कमी, नेटवर्क की उपलब्धता और कैलेंडर की उलझनों में सिमटती है। रिश्ते तकनीक के मोहताज हो गए हैं, जहाँ एक मिस्ड कॉल भी दिल को बेचैन कर देता है। माता-पिता का जीवन, जो कभी बच्चों की हँसी, शरारतों और ज़रूरतों के इर्द-गिर्द घूमता था, अब वीडियो कॉल के छोटे-छोटे फ्रेम में कैद हो गया है। कैमरे के सामने माँ हँसती है, पर कॉल कटते ही उसकी आँखें खामोश दीवारों से सवाल करती हैं। पिता की आवाज़, जिसमें कभी आदेश की गूँज थी, अब सलाह में बदल गई है–अधिकार नहीं, एक अनकहा इंतज़ार बचा है। वे जानते हैं, बच्चे अब उनके पास नहीं, पर पूरी तरह खोए भी नहीं। रिश्ते अब संवाद से नहीं, स्मृतियों से जीवित हैं। माँ को आज भी याद है, बेटे को नींद न आए तो वह कितने प्यार से लोरी सुनाती थी। पिता को याद है, बेटी की पहली साइकिल सवारी में वह कैसे पीछे-पीछे दौड़ा था। ये स्मृतियाँ ही हैं, जो उन्हें जीवित रखती हैं, जब बच्चे मीलों दूर अपने नए जीवन में मशगूल हैं। यह दूरी सिर्फ़ किलोमीटरों की नहीं, जीवन की प्राथमिकताओं की भी है। विदेश गए बच्चे अब करियर, सामाजिक दायरे और नए परिवेश में रम चुके हैं। माता-पिता उनके लिए अब "परिवार" से ज़्यादा "बैक होम सपोर्ट सिस्टम" बन गए हैं। माँ-बाप की सलाह अब उतनी प्रासंगिक नहीं लगती। उनका घर अब बच्चों के लिए छुट्टियों की मंज़िल है–जहाँ वे लौटते हैं, पर रुकने की नहीं, सिर्फ़ मुलाक़ात की योजना बनाते हैं। बैंक ट्रांसफर, मेडिकल इंश्योरेंस और सालाना टिकटों के बीच भावनाओं का हिसाब सिमट जाता है। बच्चे कोशिश करते हैं कि माता-पिता के लिए उपलब्ध रहें, पर ज़िंदगी की रफ्तार उन्हें भावनाओं से पीछे छोड़ देती है। "माँ, मैं बिज़ी था" या "पापा, अगले हफ्ते कॉल करता हूँ" जैसे वाक्य अब रिश्तों की ज़ुबान बन गए हैं। प्रेम अब भी है, पर वह "थैंक यू" इमोजी और "मिस यू" मैसेज में सिमट गया है। माता-पिता भी समय के साथ ढल रहे हैं। नाराज़गी अब दिल में नहीं ठहरती, शिकायतें होंठों तक नहीं आतीं। उन्होंने मान लिया है कि बच्चों की सफलता की कीमत उनकी दूरी है। अकेलापन अब "आज़ादी" का नाम लेता है, और इंतज़ार "रोज़मरा" का हिस्सा बन गया है। माँ ने व्हाट्सऐप की डीपी बदलना सीख लिया, पिता ज़ूम कॉल की लिंक खोलने में माहिर हो गए। तकनीक के साथ तालमेल बिठाकर वे बच्चों से जुड़े रहने की जद्दोजहद में हैं। पर इस तालमेल में एक खालीपन है। स्क्रीन पर बच्चों का चेहरा देखकर आँखें चमकती हैं, पर दिल कहीं गहरे में चाहता है–काश यह मुलाक़ात स्क्रीन की बजाय सामने हो। यह रिश्ता समझौते का नहीं, सह-अस्तित्व का है–दूरियाँ हैं, पर दोनों पक्ष उसे टूटने नहीं देना चाहते। पर इस "दूर रहकर भी साथ" के समीकरण में एक अनकहा सवाल तैरता है–क्या भावनाएँ अब भी उतनी गहरी हैं? विदेश में बच्चे नई संस्कृति, नए मूल्यों और नए ताने-बाने में रच-बस गए हैं। उनकी सोच, तौर-तरीके और प्राथमिकताएँ बदल गई हैं। दूसरी ओर, माता-पिता अब भी पुरानी परंपराओं और अपेक्षाओं से बँधे हैं। यह अंतर इतना सूक्ष्म है कि शुरू में कोई भाँप नहीं पाता। पर धीरे-धीरे संवाद का स्वर बदलता है। "माँ, तुम समझती क्यों नहीं?" और "बेटा, अब तुझे पहचानना मुश्किल है" जैसे वाक्य उस अदृश्य दरार को उजागर करते हैं, जिसे कोई चाहकर भी अनदेखा नहीं कर पाता। बच्चे चाहते हैं कि माता-पिता उनकी नई दुनिया को समझें; माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे उनकी पुरानी दुनिया को भूलें नहीं। यह एक ऐसी रस्साकशी है, जो थकाती है, पर प्रेम इसे हारने नहीं देता। फिर भी, इन दूरियों में अपनापन मिटा नहीं। उसका रूप ज़रूर बदल गया है। अब प्रेम घर की घंटी से नहीं, फोन की घंटी से जागता है। दुआएँ अब पोस्टकार्ड पर नहीं, ईमेल के ड्राफ्ट में सिमटती हैं। पर आश्चर्य यह है कि इस आधुनिक रिश्ते में भी वही पुरानी गंध बसी है–माँ के आँचल की, पिता के मौन गर्व की।

माता-पिता जानते हैं कि बच्चे कितने ही दूर क्यों न हों, उनकी हँसी, उनकी आवाज़, उनका वजूद अब भी इस घर की दीवारों में गूँजता है। बच्चे भी समझते हैं कि चाहे वे कितने व्यस्त क्यों न हों, माँ-पिता की दुआएँ हर कदम पर उनके साथ हैं। यह प्रेम अब शब्दों में कम, भावनाओं में ज़्यादा साँस लेता है। आज का यह भावनात्मक समीकरण एक नए संतुलन की तलाश में है। माता-पिता अब बच्चों की हर पल की मौजूदगी की उम्मीद नहीं करते; वे बस इतना चाहते हैं कि बच्चे उन्हें भूलें नहीं। बच्चे भी चाहते हैं कि उनकी अनुपस्थिति को गलत न समझा जाए। दोनों के बीच अब संवाद से ज़्यादा एक संवेदनशील समझ की ज़रूरत है। यही समझ वह सेतु है, जो मीलों की दूरी को पाटता है। समय बदल गया है, पर ममता का कैलेंडर नहीं बदला।

विदेशी धरती पर उगते सूरज के साथ भी, भारत के किसी घर में एक माँ आज भी वही प्रार्थना दोहराती है–"बेटा, जहाँ भी रहो, खुश रहो।" इस एक वाक्य में सिमटा है वह प्रेम, जो दूरी में भी साथ चलता है, समय के साथ फीका नहीं पड़ता। यह वह धागा है, जो कभी टूटता नहीं–बस लंबा होता जाता है, फिर भी दोनों सिरों को जोड़े रखता है।

प्रो. आरके जैन

जनता बनाम वादे-क्या इस बार सच होगा 'बदलाव'?

समीकरण, टूटती परंपराएँ — बिहार के मतों में कौन जीतेगा दिल?

बिहार की सियासी रणभूमि पर 2025 का विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक तूफान लाने को तैयार है, जो न केवल सत्ता का फैसला करेगा, बल्कि बिहार की तकदीर को भी नया रंग देगा। 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाला यह महासंग्राम, 14 नवंबर को नतीजों के साथ, 243 सीटों और 7.42 करोड़ मतदाताओं के दम पर बिहार के भविष्य की दिशा तय करेगा। बेरोजगारी, पलायन, जातिगत जनगणना, महिला सशक्तिकरण और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत मुद्दों पर एनडीए, महागठबंधन और जन सुराज पार्टी की रणनीतियां न सिर्फ मतदाताओं का दिल जीत रही हैं, बल्कि बिहार की दशकों पुरानी समस्याओं को हल करने का एक नया वादा भी पेश कर रही हैं। यह चुनाव सत्ता की कुर्सी से कहीं बढ़कर है–यह बिहार की उम्मीदों, आकांक्षाओं और बदलाव की जंग है। बिहार में 15% से अधिक बेरोजगारी दर और लाखों प्रवासी मजदूरों की पीड़ा हर चुनाव को प्रभावित करती है। एनडीए, जिसमें भाजपा और जेडीयू की जोड़ी अहम है, ने अपने संयुक्त घोषणापत्र में 10 लाख नौकरियों, स्किल यूनिवर्सिटी और औद्योगिक निवेश का भरोसा दिलाया है। भाजपा हिंदुत्व, अवैध घुसपैठ और महिला सुरक्षा के मुद्दों को जोड़कर शहरी और ऊपरी जाति के वोटरों को रिझा रही है, जबकि जेडीयू का सुशासन मॉडल सड़कों, बिजली और सिंचाई के दम पर ग्रामीण इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। सर्वे एनडीए को 136-160 सीटों का अनुमान दे रहे हैं, लेकिन 2020 की 125 सीटों (भाजपा 74, जेडीयू 43) के बाद जेडीयू 25-31 सीटों तक सिमट सकती है। अगर एनडीए की रणनीति कामयाब रही, तो भाजपा बिहार में 'गुजरात मॉडल' का परचम लहरा सकती है, लेकिन असफलता नीतीश कुमार की जेडीयू को सियासी हाशिए पर धकेल देगी, खासकर जब प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि जेडीयू 25 सीटों से आगे नहीं बढ़ेगी। तेजस्वी यादव की अगुवाई में महागठबंधन बेरोजगारी को सामाजिक न्याय के साथ जोड़कर एक नई लहर पैदा कर रहा है। आरजेडी का घोषणापत्र 10 लाख सरकारी नौकरियों और जातिगत जनगणना के आधार पर आरक्षण बढ़ाने का वादा करता है, जो 85% ओबीसी-एससी/एसटी आबादी को लुभाने की ताकत रखता है, खासकर तब जब 88% संपत्ति उच्च जातियों के पास है। कांग्रेस का 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' ईबीसी और दलितों के लिए विशेष पैकेज लेकर आया है, और प्रियंका गांधी की सभाओं में महिलाओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि वे एनडीए के लाभ लें, लेकिन वोट महागठबंधन को दें। वामपंथी दल कर्जमाफी और ग्रामीण विकास पर जोर दे रहे हैं। 2020 में 110 सीटें (आरजेडी 75, कांग्रेस 19) जीतने वाला यह गठबंधन अब 100-105 सीटों की उम्मीद कर रहा है, लेकिन कांग्रेस की 55-70 सीटों की मांग से गठबंधन में दरारें साफ दिख रही हैं। अगर ये वादे हकीकत बने, तो तेजस्वी बिहार के सबसे युवा मुख्यमंत्री बनकर सामाजिक न्याय की नई क्रांति ला सकते हैं; वरना, महागठबंधन फिर से विपक्ष की बेंच गर्म करता दिखेगा। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने जातिगत जनगणना, शिक्षा सुधार और पलायन रोकथाम जैसे मुद्दों पर ताजा दृष्टिकोण पेश किया है। उनका पांच-सूत्री एजेंडा–शिक्षा, पलायन रोकथाम, महिला-किसान सशक्तिकरण, वृद्ध पेंशन (400 से 2000 रुपये) और उद्योग–5 लाख करोड़ के निवेश और शराबबंदी हटाकर राजस्व जुटाने पर केंद्रित है। 5000 किमी की बिहार बदलाव यात्रा ने युवाओं और ऊपरी जातियों में जोश भरा है। सर्वे में जन सुराज को 40 सीटों का अनुमान है, और सभी 243 सीटों पर 40 महिलाओं सहित 90% नए चेहरों के साथ यह पार्टी बिहार की सियासत को बहुध्रुवीय बनाने की ताकत रखती है। अगर जन सुराज 30-40 सीटें जीत लेती है, तो यह बिहार की राजनीति में भूचाल ला देगी, लेकिन असफलता प्रशांत किशोर की साख को गहरा झटका दे सकती है। महिला सशक्तिकरण और भ्रष्टाचार इस चुनाव में केंद्रीय मुद्दे हैं। एनडीए की 'महिला रोजगार योजना' महिलाओं को 10,000 रुपये मासिक सहायता और 2 लाख का ऋण प्रदान करती है, जो आर्थिक सशक्तिकरण का वादा करती है। दूसरी ओर, महागठबंधन आरक्षण और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, जबकि जन सुराज महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दावा करता है। भ्रष्टाचार के मोर्चे पर तेजस्वी यादव का 'संस्थागत भ्रष्टाचार' का आरोप एनडीए पर भारी पड़ रहा है। चुनाव आयोग के 100% वेबकास्टिंग जैसे 17 सुधार पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे, लेकिन 3.5 लाख मतदाताओं के नाम हटने का विवाद मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। छठ पूजा के बाद प्रवासी मतदाताओं की वापसी और 12% वोट लीड एनडीए को बढ़त दे सकती है, लेकिन महागठबंधन की उभरती लहर और जन सुराज की ताजा अपील इसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। एनडीए की जीत भाजपा को बिहार का नया राजनीतिक केंद्र बनाएगी, महागठबंधन की विजय सामाजिक न्याय को नई दिशा देगी, और जन सुराज की सफलता बिहार की सियासत को त्रिकोणीय बना देगी। यह चुनाव बिहार की आकांक्षाओं का निर्णायक मोड़ है–क्या यह विकास और न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगा, या वादों का धुंधलका यथावत रहेगा?

प्रो. आरके जैन

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मां शारदे की प्रेरणा और आशीर्वाद से ही काव्य-पाठ संभव- सिद्धार्थ सिंह

प्रशासनिक-सचिव के काव्य पाठ ने किया सभी को मंत्रमुग्ध।

लालगंज, रायबरेली। शिक्षा, सामाजिकता, व्यावहारिकता हर क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा के धनी बीएमपीएस के प्रशासनिक सचिव ने आईआईटी कानपुर में देश के विशिष्ट कवियों के मध्य अवध के लोकगीत पर आधारित काव्य-पाठ प्रस्तुत कर सभी को मंत्र-मुक्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि सिद्धार्थ सिंह बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में प्रशासनिक सचिव के रूप में अपना सहयोग देते हुए आंग्लभाषा की शैक्षणिक व्यवस्था में भी अमूल्य योगदान देते आए हैं।इन सभी के बीच श्री सिंह को गायन-विधा में भी पारंगत हासिल है। अपने व्यवहारिक जीवन में यह बहुत ही मिलनसार और साधु-प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। काव्य-पाठ के संदर्भ में श्री सिंह ने कहा शायद मां शारदे के विशेष आशीर्वाद और प्रेरणा से मैं काव्य पाठ करने के साथ-साथ अपने आप को शिक्षा, सामाजिकता, व्यवहारिकता हर क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में बनाए रखा। आउटरीच ऑडिटोरियम आईआईटी कानपुर में काव्य-पाठ करते हुए इन्होंने उपस्थित देश-भर के ख्यातिलब्ध कवियों के साथ-साथ सभी जनमानस को मंत्र मुक्त कर दिया। इस विशिष्ट व्यक्तित्व के काव्य-पाठ की क्षेत्र के सभी सुधी-जन भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मिशन शक्ति के तहत शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

रायबरेली, जनपद रायबरेली के जी0आई0सी0 ग्राउंड में (9-18 अक्टूबर) आयोजित 10 दिवसीय यू0पी0 ट्रेड शो स्वदेशी मेला 2025 के तृतीय दिवस पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रहे ''मिशन शक्ति फेज 5.0'' अभियान के तहत जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल की अध्यक्षता में ''शक्ति संवाद'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनमानस को महिला सशक्तिकरण, आत्मरक्षा और शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। छात्राओं को आत्मविश्वास और जागरूकता के साथ समाज में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रति छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के साथ साथ नारी स्वास्थ्य एवं नारी सुरक्षा व सशक्तिकरण संबंधित कई विषयों पर जागरूक किया गया। छात्राओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों को विस्तार से बताया और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति प्रेरित किया। साथ ही कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन, बाल सेवा योजना, विकलांग पेंशन, मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना व राष्ट्रीय कृत टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1930, 112, 1090 आदि के प्रति जागरूक करते हुए विभागीय योजनाओं की पम्पलेट वितरण की गई। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, पूर्व नगर पालिका प्रतिनिधि मुकेश श्रीवास्तव, जी0एम0 डी0आईसी0, जिला समन्वयक शैफाली सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, सुषमा कश्यप, चाइल्ड हेल्पलाइन कोआर्डिनेटर, सदस्य, बाल कल्याण समिति, बाल संरक्षण अधिकारी वीरेन्द्र पाल, श्रद्धा सिंह, एस0एस0 पाण्डेय के साथ ही अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिशन शक्ति के इस सार्थक आयोजन की सराहना की और नारी सशक्तिकरण के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

एकाग्रता खिलाड़ियों का पहला लक्ष्य- सुरेन्द्र त्रिपाठी

बनकटी में सम्पन्न हुई बस्ती दक्षिणी क्षेत्र की खेलकूद रैली

बस्ती। बस्ती जिले के बनकटी स्थित सम्राट अशोक प्रभावंश बालिका इंटर कॉलेज द्वारा आयोजित 69वी बस्ती दक्षिणी क्षेत्रीय रैली का आयोजन जनता इंटर कॉलेज बनकटी के मैदान में किया गया। गुरूवार को रैली के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुरेन्द्र तिवारी ने कहा गांव में खेल प्रतिभाओं की कमी नही है। वर्तमान सरकार उन्हे प्लेटफार्म दे रही है।खेल के क्षेत्र में अपना भविष्य बना रहे युवाओं को सरकार ने नौकरियों में भी छूट देना शुरू किया है। मुख्य अतिथि ने आगे कहा कि एकाग्रता खिलाड़ी का लक्ष्य होना चाहिये। एक लक्ष्य बनाकर किये गये गये प्रयासों को मंजिल जरूर मिलती है। सम्राट अशोक इ.का. के प्रबंधक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य ने कहा खेल मे अनुशासन बहुत जरूरी है। अनुशासनहीन खिलाड़ी लक्ष्य से दूर होता चला जाता है। प्रधानाचार्य विजय कुमार, भानु प्रकाश मिश्र, डॉक्टर अजीत मणि त्रिपाठी, रविंद्र तिवारी, क्रीड़ा सचिव अमित कुमार यादव, मुरलीधर शुक्ल, मोहम्मद इकबाल, अजय कुमार वर्मा, शैलेंद्र कुमार सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य व शिक्षक उपस्थित रहे।

मजदूरी न मिलने से 18 साल की कर्मठता हुई बेमानी महिला मजदूर का परिवार भुखमरी की कगार पर

● ......तहसील दिवस पर भी नहीं मिली राहत।

.......बेटी की शादी पर संकट, प्रशासन बेखबर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। कड़ी मेहनत और पसीने से सींची गई 18 सालों की कर्मठता आज एक महिला मजदूर और उसके परिवार के लिए भुखमरी का श्राप बन गई है। वन विभाग की नर्सरी में वर्षों से काम करने वाली मजदूर रेखा निवासी कैथुलिया को उसका लाखों रुपए का बकाया वर्षों बाद भी नहीं मिला है।जिसके कारण उसकी बेटी का विवाह अधर में है और पूरा परिवार दाने-दाने को मोहताज हो गया है।लाखों की मजदूरी अटकी, जिंदगी की गाड़ी रुकी। मलिहाबाद की वन चौकी रहीमाबाद स्थित पौधशाला में रेखा विगत 18 वर्षों से काम कर रही हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उनकी मुश्किलें पहाड़ बन गई हैं। रेखा का आरोप है कि उन्हें वर्ष 2024 की 36,000 की मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, 2025 में उन्होंने अपने पति प्यारे और बच्चों के साथ मिलकर ठेके पर डेढ़ लाख पन्नियों में मिट्टी भरने का काम किया जिसकी मजदूरी 45,000 बनती है।कुल मिलाकर लाखों रुपए की मजदूरी वन विभाग पर बकाया है जिसे पाने के लिए रेखा दर-दर भटक रही हैं। उनकी बेटी की शादी की तारीख नजदीक आ गई है लेकिन पैसा न मिलने से गरीब परिवार की खुशियों पर ग्रहण लग गया है। रेखा ने बताया कि मजदूरी न मिलने से उनके बच्चों को भरपेट भोजन भी नहीं मिल पा रहा है और पूरा परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है।थक-हारकर रेखा ने पिछले तहसील समाधान दिवस पर न्याय की गुहार लगाई थी और अधिकारियों को अपनी व्यथा सुनाई थी। दुख की बात है कि प्रार्थना पत्र देने के बाद भी एक सप्ताह बीत चुका है लेकिन उनकी समस्या का निस्तारण नहीं हो सका है और जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए हैं।इस संबंध में जब रेंजर

आलोक तिवारी से बात की गई तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि मामला उनकी जानकारी में नहीं है और जानकारी करने के बाद ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

सवाल यह है कि एक महिला जो अपने बच्चों का पेट भरने के लिए 18 साल से ईमानदारी से काम कर रही है।उसे अपनी मेहनत का पैसा पाने के लिए और कितने दिन अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ेंगे क्या प्रशासन इस गरीब परिवार की आंखों में आंसू और पेट की आग देखकर भी केवल कागज़ी कार्यवाही में उलझा रहेगा एक मजदूर का संघर्ष बेटी की शादी और दो वक्त की रोटी, दोनों ही दांव पर।

जयप्रकाश नारायण का नाम लेकर ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव को घेरा, कह दी ये बड़ी बात

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करना राजनीतिक पाखंड है। सपा हमेशा से लोकतंत्र विरोधी रही है। जिस कांग्रेस के साथ अखिलेश यादव मंच साझा कर रहे हैं, उसी कांग्रेस ने जयप्रकाश नारायण जैसे लोकतंत्र के प्रहरी को जेल में डाला था। यह वही कांग्रेस है जिसने देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र को कुचला था। पाठक ने कहा है कि सपा को लोकतंत्र या संविधान से कोई लेना-देना नहीं, उनका मकसद केवल सुर्खियां बटोरना और सत्ता की कुर्सी पर बैठना है। जयप्रकाश नारायण की जयंती भाजपा पूरे देश में मना रही है, क्योंकि इमरजेंसी के दौरान सबसे अधिक जनसंघ और आरएसएस के कार्यकर्ता जेलों में बंद किए गए थे। कई समाजवादी भी जेल भेजे गए थे, लेकिन सपा आज उन नेताओं के त्याग को भुलाकर कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता की सौदेबाजी कर रही है।

दो साल मासूम बच्चे की डूबने से हुई मौत घर में मचा कोहराम, खेत के गड्ढे में भरा था बारिश का पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में दो साल की मासूम बच्चे की खेत के पानी में डूबने से मौत हो गई। बच्चा घर के पास ही खेत में भरे बाढ़ के पानी के पास खेल रहा था अचानक पैर फिसलने से वह पानी में जा गिरा और डूब गया किसी तरह घर वालों ने बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला सदरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धर्मपुर के लोनियनपुरवा का है। रविवार दोपहर खेलते-खेलते एक मासूम की डूबने से मौत हो गई बच्चे की पहचान अर्पित (2) पुत्र पूरन के रूप में हुई है बताया जा रहा है कि अर्पित घर के पास स्थित खेत में भरे बाढ़ के पानी के पास खेल रहा था। अचानक पैर फिसलने से वह पानी में जा गिरा और डूब गया कुछ देर बाद जब परिजनों ने बच्चे को आसपास नहीं देखा तो खोजबीन शुरू की। खेत के पास पहुंचने पर मासूम का शरीर पानी में दिखाई दिया।

परिजन उसे किसी तरह बाहर निकालकर आनन-फानन में स्थानीय चिकित्सक के

पास ले गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया मासूम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। मां -पिता और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में गम और सन्नाटा फैल गया है ग्रामीणों ने परिजनों को सांत्वना देते हुए प्रशासन से मदद की मांग की है घटना की सूचना मिलते ही सदरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि परिवार की तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल के दिनों में हुई बारिश और बाढ़ के कारण गांव के आसपास खेतों में पानी भरा हुआ है जिससे बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है!!

जीएसटी को लेकर हुई गोष्ठी,विधायक सहित कई लोग रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख(सीतापुर)जीएसटी दरों में की गई कटौती को लेकर मिश्रिख के स्व. यशोदा कन्या महाविद्यालय के सभागार में घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार "एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान" के तहत एक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री भाजपा शिवभूषण सिंह मौजूद रहे। नगर मिश्रिख कस्बे में जीएसटी मिले उपहार पर आत्मनिर्भर संकल्प अभियान के अंतर्गत विधानसभा सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुआ है जिसमें कार्यक्रम के दौरान व्यापारी मौजूद रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवभूषण सिंह ने व्यापारियों को सरकार के इस निर्णय से होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार व्यापारी हित में कार्य कर रही है। क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव ने कहा कि नवरात्रि और दशहरा से पहले जीएसटी दरों में कटौती कर सरकार ने व्यापारियों को जो तोहफा दिया है, उसका लाभ उन्हें हमेशा मिलेगा।

उन्होंने व्यापारियों को जीएसटी संबंधी किसी भी कठिनाई के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष देवेश पांडेय, ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुनींद्र अवस्थी, गन्ना चीनी मिल के चेयरमेन रामगोपाल अवस्थी, नगर पालिका परिषद मिश्रिख नैमिषारण्य अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय भार्गव, रोहित सिंह, व्यापारी कन्हैया गुप्ता, व्यापारी हरिप्रसाद, सभासद श्याम किशोर, विवेक सिंह अंकित शुक्ला।

भागवत कथा में बताया सत्संग का महत्व

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के साकेत नगर मोहल्ले में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान बृहस्पतिवार को कथा व्यास डॉ. आरपी ओझा ने कथा श्रवण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य में विवेक का उदय करती है। विवेकवान व्यक्ति के जीवन में पाप का प्रवेश नहीं हो पाता। कथा भवरोग का नाश करती है। यह जीव को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति दिलाती है। कथा व्यास ने कहा कि जो व्यक्ति सत्संग करता है वह भवसागर को उतनी ही सहजता से पार कर लेता है, जितना कोई व्यक्ति गाय के खुर से बने गड्ढे के पानी को लांघ लेता है। उन्होंने बताया कि सत्संग से असंग का नाश होता है। इससे निश्चल वृत्ति का जन्म होता है। यह वृत्ति ही व्यक्ति को परम तत्व की ओर अग्रसर करती है। डॉ. ओझा ने कहा कि भगवान को दीनता और सरलता प्रिय है। अहंकार और अकड़ रखने वाला व्यक्ति ईश्वर से दूर हो जाता है। जीवन में समर्पण ही सच्चे धर्म का आधार है। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कथा श्रवण किया और जय श्री कृष्ण के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर पूर्व प्राचार्य एसएन सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. एमडी सिंह, प्रो. मुन्ना सिंह, सुखेंद्र बहादुर सिंह, भैयाजी, डॉ. एसके निगम, पवन कुमार सिंह, मंसू सिंह, सुरेश दीक्षित, राकेश द्विवेदी, अंशुमान मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

PCS प्री परीक्षा की तैयारियां पूरी डीएम- एसपी ने 11 केंद्रों का लिया जायजा, 4608 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा एवं सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2025 की तैयारियां सीतापुर में पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा कल रविवार को दो पालियों में आयोजित की जाएगी पहला पाली सुबह 09:30 से 11:30 बजे तक और दूसरा पाली दोपहर 02:30 से 04:30 बजे तक चलेगा। इस इस परीक्षा के लिए कुल 11 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां लगभग 4608 परीक्षार्थी अपने भविष्य की परीक्षा देने पहुंचेंगे। परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं के कड़े इंतजाम किए हैं जिलाधिकारी अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से परीक्षा केंद्रों का शनिवार दोपहर निरीक्षण किया उन्होंने जिला मुख्यालय सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर सीसीटीवी कैमरा, कंट्रोल रूम, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा शौचालयों की स्थिति का जायजा लिया अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी डीएम ने कहा कि परीक्षार्थियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए, जबकि एसपी ने सभी केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूरी

तरह प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। परीक्षा के दौरान नकलविहीन वातावरण बनाए रखने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड भी सक्रिय रहेगा परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचें और आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करें!!

फर्रुखाबाद के एक कोचिंग सेंटर में धमाका, 2 की मौत, 5 घायल

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद से एक धमाके की खबर आ रही है. शनिवार को एक कोचिंग सेंटर में धमाका होने से दो लोगों की मौत हो गई. जबकि 5 अन्य लोग घायल हो गए

फर्रुखाबाद के एक कोचिंग सेंटर में हुए विस्फोट में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य घायल हो गए. पुलिस का कहना है कि यह विस्फोट संभवतः बेसमेंट में स्थित सेप्टिक टैंक में अत्यधिक मात्रा में मीथेन गैस के कारण हुआ।

विस्फोट कैसे हुई इसकी हो रही जांच- एसपी

फर्रुखाबाद की एसपी आरती सिंह ने बताया, "हमें दोपहर करीब 3.19 बजे कादरी गेट थाना क्षेत्र से संबंधित सूचना मिली. प्रथम दृष्टया यह एक कोचिंग संस्थान लगता है और इसके बेसमेंट में एक सेप्टिक टैंक है. वहां मीथेन के कारण विस्फोट हुआ. वहां एक स्विच बोर्ड भी मिला है, संभवतः उसी के कारण विस्फोट हुआ. 7 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की मौत हो गई है और 5 का इलाज चल रहा है. जांच की जा रही है।"

आज से पांच ग्रामीण शुरू करेंगे भूंख हड़ताल इमलिया सुल्तानपुर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर ऐलिया ब्लाक मुख्यालय इमलिया सुल्तानपुर पर चार दिन से चल रहा अनिश्चित कालीन धरना पांचवे दिन भूंख हड़ताल में बदल गया। धरने का नेतृत्व कर रहे पत्रकार सरोज सिंह ने बताया कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। परन्तु प्रशासनिक अमला विकास के नाम पर पंचायतों को उपलब्ध कराई जा रही शासकीय धनराशि का बड़े पैमाने पर दुरूपयोग कर कार्यदाई संस्था खुद की तिजोरी भरने में लगी हैं। जिनकी शिकायत करने पर आरोपी का ही पक्ष लेकर फर्जी जांच रिपोर्ट लगाकर गुमराह कर देते हैं। ऐसा ही मामला पसनैका ग्राम पंचायत का है। श्री सिंह ने बताया कि बाउण्ड्रीवॉल, शौंचालय, विद्यालय कायाकल्प आदि सरकार की प्राथमिकता में है। जिसकी रिपोर्ट बीसी के माध्यम ब्लाक के अधिकारी देते हैं। लेकिन ब्लाक के अधिकारी धरातल नहीं देखते हैं। परिणाम स्वरूप ऐसे भ्रष्टाचार को

लेकर जब ग्रामीण धरना देने को विवस होते हैं। तो उनकी आवाज दबाने की कोशिश जिले के आलाधिकारी करते हैं। ऐसा ही खेला धरनारत पसनैका के ग्रामीणों के साथ किया जा रहा है। इसी से कुपित होकर धरने पर बैठे राजकुमार सिंह 50, परवन 45, प्रमोद 38, सुनील कुमार 35 व मनोज कुमार 28 ने रविवार की सुबह से भूंख हड़ताल करने का एलान कर दिया है। जिसकी सूचना शुक्रवार को ब्लाक कार्यालय पर लिखित में दी थी। परन्तु बीडीओ ऐलिया की अनुपस्थिति में किसी कर्मचारी ने रिसीव करने की जहमत नहीं उठाई।

कसमंडी में नए अल्ट्रासाउंड सेंटर और मलिहाबाद में पैथोलॉजी क्लिनिक का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। कसमंडी चौकी क्षेत्र में आरपीएस अल्ट्रासाउंड सेंटर का उद्घाटन डॉ. अनित परिहार केजीएमयू ने फीता काटकर किया जिससे क्षेत्रीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र में स्वास्थ्य और डायग्नोस्टिक सेवाओं को एक बड़ी मजबूती मिली है। डॉ. परिहार ने इस मौके पर कहा कि अब लोगों को तत्काल अल्ट्रासाउंड की सेवा और भी आसान हो गई है। यह सेंटर श्री हॉस्पिटल के सामने कमालू मार्केट कसमंडी कला में खोला गया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर के खुल जाने से अब क्षेत्रीय लोगों को शहर की तरह की सारी सुविधाएं यहीं कसमंडी कला में मिलेंगी और उन्हें लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा।सेंटर के संचालक संदीप श्रीवास्तव ने उद्घाटन समारोह में आए सभी गणमान्य व्यक्तियों डॉ. विजय यादव, डॉ. रूपेंद्र यादव, पूर्व प्रधान संजय साहू, अनीश राजा, मनीष यादव, अकिल शामिल थे के प्रति आभार व्यक्त किया।

मलिहाबाद में पायनियर पैथोलॉजी क्लिनिक का भी हुआ शुभारंभ

वहीं दूसरी ओर मलिहाबाद में माल रोड नियर ह बाजार में पायनियर पैथोलॉजी क्लिनिक स्क्क का उद्घाटन भी किया गया। इसका उद्घाटन पूर्व प्रधान अनीश राजा ने किया।संजय प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में कई पैथोलॉजी खुली हुई हैं जो मरीजों से भारी मात्रा में पैसे ले लेती हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस नए पैथोलॉजी

क्लिनिक में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यहां गरीब और असहाय लोगों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और उन्हें उचित और सही ढंग से जाँच उपलब्ध कराई जाएगी।इन दोनों स्वास्थ्य केंद्रों के उद्घाटन से मलिहाबाद और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को डायग्नोस्टिक जाँच और अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सस्ती और सुलभ सुविधा मिलने की उम्मीद है।

रन फॉर वूमेन इंपावरमेंट का भव्य आयोजन छात्राओं, महिला आरक्षियों ने तीन किमी लगाई दौड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर शनिवार सुबह "रन फॉर वूमेन इंपावरमेंट" का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में शहर की स्कूली छात्राओं के साथ-साथ सैकड़ों महिला रिक्रूट आरक्षियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तीन किलोमीटर की यह दौड़ तरणताल स्टेडियम से शुरू होकर पुलिस लाइन तक संपन्न हुई। दौड़ के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास, स्वालंबन और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम का नेतृत्व एएसपी उत्तरी आलोक सिंह और सीओ सदर नेहा त्रिपाठी ने किया। दौड़ के दौरान छात्राओं और रिक्रूट आरक्षियों ने ÷बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ÷ तथा ÷सेल्फ डिफेंस इज सेल्फ रिस्पेक्ट÷ जैसे नारों से पूरे माहौल को ऊर्जावान बना दिया एएसपी और सीओ सदर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं, आत्मरक्षा के गुर सीखकर वे खुद को और समाज को सशक्त बना सकती हैं कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग की ओर से बालिकाओं को आत्मरक्षा के टिप्स भी दिए गए।

दौड़ के उपरांत मार्शल आर्ट ट्रेनर योगेश और उनकी टीम ने छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की बारीकियां सिखाई और बताया कि आपात स्थिति में किस तरह साधारण तकनीक से खुद की रक्षा की जा सकती है। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने न केवल दौड़ लगाई बल्कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी दिखाई रन फॉर इंपावरमेंट कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं में जागरूकता के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। सीतापुर पुलिस ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम लगातार आयोजित करने का संकल्प लिया!!

दीपावली व छठ पर चलेंगी 22 स्पेशल बसें

बलरामपुर। दीपावली व छठ पर्व पर जिले में आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। त्योहार पर घर आने वाले लोगों के लिए बलरामपुर डिपो से 22 स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा लोकल रूटों पर बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे। दीपावली व छठ पर्व मनाने के लिए विभिन्न राज्यों से लोग अपने घर आएंगे। यात्रियों को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए परिवहन निगम की तरफ से स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगा। बलरामपुर डिपो की वरिष्ठ प्रभारी तरन्नुम ने बताया कि दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, बढ़नी रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। बलरामपुर-दिल्ली मार्ग पर 10 से बढ़ाकर 14, कानपुर मार्ग पर 22 से बढ़ाकर 30 व बहराइच-लखनऊ मार्ग पर आठ से बढ़ाकर 10 बसों का संचालन किया जाएगा। इसी तरह बलरामपुर-गोंडा-लखनऊ, कानपुर-बढ़नी व अयोध्या-प्रयागराज मार्ग पर भी दो-दो अतिरिक्त बसों का संचालन होगा। इसके अलावा उतरौला, बस्ती, तुलसीपुर व बहराइच मार्ग पर चलने वाली बसों का फेरा बढ़ाया जाएगा, ताकि यात्री आसानी से यात्रा कर सकें।

सरकार पीड़ित परिवार की हर सम्भव मदद करेगी, सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है- राकेश सचान

● सरकार ने स्पष्ट सन्देश दिया है कि इस प्रकार का कृत्य करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा- राकेश सचान

ऊंचाहार की घटना बहुत ही गम्भीर घटना है, सरकार ने इसे गंभीरता से लिया गया है

सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का कार्य करेगी- असीम अरुण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, प्रभारी मंत्री जनपद राकेश सचान, मंत्री समाज कल्याण विभाग उ0प्र0 सरकार असीम अरुण व विधायक ऊँचाहार डॉ मनोज पांडेय ने आज जनपद रायबरेली के थाना ऊंचाहार क्षेत्र में घटित घटना में मृतक हरिओम की पत्नी संगीता एवं अन्य पारिवारिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, न्याय दिलाने का भरोसा दिलाते हुवे आर्थिक मदद की। मृतक हरिओम की पत्नी को रु0 06 लाख 92 हजार 500 सौ की आर्थिक मदद व रु0 8500 प्रतिमाह पेंशन व अन्य, इसी प्रकार पिता गंगादीन को रु0 06 लाख 62 हजार 500 सौ की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने कहा कि यह घटना बहुत गंभीर घटना है, सरकार ने इसे पूरी गंभीरता से लिया है, दोषी व्यक्तियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का कार्य करेगी। उक्त प्रकरण में दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है, सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ है सरकार ने यह कार्यवाही करके स्पष्ट संदेश दिया है कि इस प्रकार का कृत्य करने वाले लोगों को किसी भी हाल में बक्सा नहीं जाएगा। इस प्रकार की घटना अक्षम्य है। ऐसे किसी भी दोषी को बक्सा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने इस घटना में 21 व्यक्ति अभी तक चिन्हित किए गए हैं, जिसमें से 12 की गिरफ्तारी हो चुकी है, शेष दोषियों की गिरफ्तारी भी शीघ्र होगी, इसके लिए पुलिस पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। पीड़ित परिवार के साथ पूरी सरकार व जिला प्रशासन आज भी खड़ी है और हमेशा खड़ी रहेगी। पीड़ित के साथ न्याय होगा। मंत्री असीम अरुण ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि एक गरीब व्यक्ति की एक गिरोह द्वारा पीट-पीट कर हत्या करने के प्रकरण को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बहुत गंभीरता से लिया है और मंत्री राकेश सचान जी और हमें यहां पर भेजा है कि हम लोग जाकर पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने कहा कि यह जो घटना घटित हुई है, यह बहुत गंभीर घटना है और इसे पूरी गंभीरता से लिया गया है। विधायक ऊंचाहार मनोज पाण्डेय ने कहा कि सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का कार्य कर रही है और न्याय दिलाएगी। इस अवसर पर विधयाक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी सहित संबंधित अधिकारी व क्षेत्रीय निवासी उपस्थित रहें।

मोहम्मद सुहेल आज़ाद समाज पार्टी के बने जिला प्रभारी कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

लहरपुर, सीतापुर। नगर के मोहल्ला मंगोलपुर निवासी मोहम्मद सुहेल को आजाद समाज पार्टी का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है उनके मनोनयन पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है कार्यकर्ताओं ने उनके स्वागत में जश्न मनाया। मोहम्मद सुहेल, जो पहले समाजवादी पार्टी से जुड़े थे, हाल ही में आजाद समाज पार्टी में शामिल हुए थे उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर आजाद के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़ की सहमति से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कोर कमेटी सदस्य लखनऊ मंडल प्रभारी अनीश गाजी ने उन्हें जिला प्रभारी पद पर नियुक्त किया। शुक्रवार देर रात लहरपुर गेट पर पहुंचने पर मोहम्मद सुहेल का भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और जमकर आतिशबाजी की इस अवसर पर नव नियुक्त जिला प्रभारी मोहम्मद सुहेल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता आजाद समाज पार्टी से जुड़कर दलित, शोषित, वंचित और पिछड़ों की मदद करना होगी उन्होंने बताया कि पार्टी की विचारधारा 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' को आगे बढ़ाना उनका मुख्य लक्ष्य है मोहम्मद सुहेल के जिला प्रभारी बनाए जाने पर जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद इसरार, ब्लॉक प्रभारी मोहम्मद इसरार, पूर्व सभासद मेराज अहमद, हसमत, फरीदी खान, गुड्डू बाला,

मोहम्मद सारिफ, नावेद, मोनू, मोहम्मद समीर, सलमान, समीर, सोनू सभासद, एजाज, फैसल, राजू पूर्व सभासद, शरीफ बाबा, हाजी सानू, फिरोज और शकील सहित कई कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया!!

संक्षिप्त खबरें

कैमहरा में चल रही श्री कृष्ण रासलीला में कालिया दहन का किया गया मंचन

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कौशल वर्मा ने पूजा अर्चना कर की आरती।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला छोटी काशी तहसील क्षेत्र के गांव कैमहरा में स्थित देवेश्वर नाथ मन्दिर पर दिनांक पांच अक्टूबर से ग्यारह अक्टूबर तक चलने वाली श्री कृष्ण रासलीला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमें छठवें दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सनशाइन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. कौशल वर्मा ने पूजा अर्चना कर भगवान् की आरती की। आयोजकों द्वारा डॉ. कौशल वर्मा को सम्मानित किया गया। शाम की लीला में ब्रंदावनधाम से पधारे कलाकारों ने कालिया दहन का प्रसंग दिखाया, भगवान् श्री कृष्ण ग्वाल वालों के साथ गेंद खेल रहे थे, गेंद यमुना नदी में चली जाती है। भगवान् कृष्ण गेंद नदी में गिरने के बाद नदी में कूद जाते हैं। और कालिया नाग पर नाचते हुए उसे परास्त कर देते हैं। भगवान् कृष्ण के चरण- चिन्ह अंकित होने के बाद कलिया नाग गरुण के भय से मुक्त होकर रमणीक दीप चला जाता है। साथ ही सुंदर- सुंदर सजीव चित्रण के साथ श्रोताओं ने श्री कृष्ण की लीलाओं का भरपूर आनंद लिया इस अवसर पर समस्त ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

विद्या निकेतन में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

गोला गोकर्णनाथ खीरी। दिनांक 11अक्टूबर 2025 को स्थानीय विद्यालय वि0कुँ0स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज गोला में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। जिसका उद्देश्य बालिकाओं को विकास के अवसर प्रदान कर समाज में बालिकाओं को सम्मान और अधिकार दिलाना है तथा बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती गरिमा अखिलेश वर्मा वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, कार्यक्रम अध्यक्ष- श्रीमती मधु त्रिपाठी प्राचार्या वि0 कुँ0 स्मा0 सरस्वती विद्या निकेतन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मंजुलता अध्यक्ष भा0ज0पा0 महिला मोर्चा, सुजीता कुमारी महिला आयोग सदस्य श्रीमती मोना भसीन, श्रीमती सौरभ वर्मा, श्रीमती खदीजा खातून, श्रीमती सारलेस वर्मा ने माँ सरस्वती के चित्र का माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।इस साल की थीम "लड़कियों का नेतृत्व और उनकी स्वतंत्र पहचान" है। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि श्रीमती गरिमा अखिलेश वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालिकायें केवल भविष्य की आशा नहीं हैं, बल्कि आज बदलाव लाने की असली शक्ति भी हैं। हर बालिका में समाज और समुदाय को दिशा देने की क्षमता मौजूद है, बस उसे पहचान और अवसर की जरूरत है। इस अवसर पर विभिन्न परीक्षाओं में चयनित विद्यालय की छात्राओं मल्लिका गुप्ता-ISS, अनुष्का वर्मा सीए प्रज्ञा वर्मा नीट, तान्या पटेल-नीट एवं अनुष्का वर्मा- नीट को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती पूजा पाण्डेय द्वारा किया गया।

राजस्थान- दिल का दौरा पड़ने से पुलिस कांस्टेबल की मौत

राजस्थान के जयपुर में पुलिस के एक सिपाही की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 52 वर्षीय कैलाश चंद्र गुर्जर यहां श्याम नगर थाने में वाहन चालक के पद पर तैनात थे। पुलिस के मुताबिक, कैलाश चंद सामोद के सुल्तानपुरा गांव के रहने वाले थे।श्याम नगर थाना अध्यक्ष दलवीर सिंह ने बताया कि लगभग 27 वर्ष से राजस्थान पुलिस में कार्यरत रहे कैलाश पिछले आठ साल से श्याम नगर थाने में तैनात थे। उन्होंने बताया कि कैलाश चंद बृहस्पतिवार शाम को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद सामोद अपने घर लौट गये थे। अधिकारी ने बताया, "वह रोजाना सुबह लगभग चार बजे उठकर काम के लिए तैयार होते थे लेकिन शुक्रवार को जब वह नहीं उठे तो उनके परिवार के सदस्य उन्हें देखने गए और मौके पर उन्हें बेहोश पाया।" उन्होंने बताया कि परिवार उन्हें सामोद के एक अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि सोते समय दिल का दौरा पड़ने से कैलाश चंद की मौत हो गयी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

बंगाल में आरजी कर जैसी एक और वारदात, मेडिकल छात्रा को अस्पताल के बाहर से घसीटकर ले गए और रेप किया

● मेडिकल छात्रा के पिता ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें उनकी बेटी के दोस्त ने घटना की सूचना दी। उन्होंने आरोप लगाया, जब मैं वहाँ पहुँचा, तो मेरी बेटी की हालत गंभीर थी और अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में एक निजी मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा को अस्पताल परिसर में कथित तौर पर घसीटकर उसके साथ बलात्कार किया गया। यह घटना 2024 के आरजी कर मामले की याद दिलाती है, जिसमें एक जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। पीड़िता, जो ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है, राजधानी कोलकाता से 170 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र दुर्गापुर के शोभापुर के पास स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। सूत्रों के अनुसार, छात्रा शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे अपने एक पुरुष मित्र के साथ परिसर से बाहर निकली थी। परिसर के गेट के पास एक व्यक्ति उसे कथित तौर पर अस्पताल के पीछे एक सुनसान इलाके में खींचकर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच शुरू की। पीड़िता को मेडिकल जाँच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों और महिला के साथ आए उसके दोस्त सहित अन्य लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

'कैंपस में कोई सुरक्षा नहीं'

मेडिकल छात्रा के पिता ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें उनकी बेटी के दोस्त ने घटना की सूचना दी। उन्होंने आरोप लगाया, जब मैं वहाँ पहुँचा, तो मेरी बेटी की हालत गंभीर थी और अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आगे बताया कि उनकी बेटी अपने प्रेमी वासिफ अली के फोन के बाद फुचका (गोलगप्पे) खाने के लिए कैंपस के बाहर गई थी। पीड़िता के पिता ने बताया, जब वह कैंपस के गेट पर पहुँची, तो वहाँ चार-पाँच लोग मौजूद थे। उनमें से एक ने उसके साथ बलात्कार किया, उसका मोबाइल फ़ोन छीन लिया और उसे वापस करने के लिए 3,000 रुपये मांगे। लड़का उसे छोड़कर भाग गया। उन्होंने उसके साथ बलात्कार किया।

राज्य सरकार की आलोचना

इस घटना के सामने आने के बाद, पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फ्रंट (WBDF) ने मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की कड़ी निंदा की और इसे एक और डरावनी याद दिलाने वाला बताया कि महिलाएँ (राज्य में) परिसरों में भी सुरक्षित नहीं हैं। लड़की के लिए न्याय की माँग करते हुए, डब्ल्यूबीडीएफ ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और न्यायिक जाँच का आदेश देना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने भी ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बार-बार विफल हो रही है।

थाना गोला व हैदराबाद क्षेत्र में स्थित स्थाई पटाखा की दुकानों को चेक किया गया।

गोला उप जिलाअधिकारी व क्षेत्राधिकारी ने पटाखो की दूकानो को चेक कर परखी उनकी सुरक्षा ब्यवस्था।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कस्बा गोला क्षेत्र में 05 दुकाने मोहम्मदी रोड व तहसील रोड पर तथा ग्रामीण क्षेत्र भैंठिया जलालपुर मूडासवारान व हैदराबाद थाना क्षेत्र के ममरी कस्बे मे तीन स्थित लाइसेंस स्थायी दुकाने कुल 11 स्थायी लाइसेंस धारको की दुकानो को उपजिलाधिकारी गोला युगांतर त्रिपाठी पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार त्रिपाठी व प्रभारी निरीक्षक क्राइम संतोष सिंह व हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक हैदराबाद सुनील मलिक अग्निशमन के प्रभारी सुरेन्द्र सिह शिन्दें द्वारा चेक किया गया।इस दौरान पटाखे की दुकाने चेक करने के दौरान निर्देशित किया गया कि वह अपनी अपनी दुकानो के रख रखाव सुनिश्चित करे। व लाइसेंस मे जितना स्टाक है उससे ज्यादा मसाला आदि न रखे। अग्नि भुझाने के लिये यंत्र आदि ऐक्टिंव मोड पर रखे।हालाकि जो दुकाने जहां पर पूर्व की भांति रखी गई थी वह वही ही रहेगी।कोई भी नया नियम आदि नही रहेगा।

जेल से चुनाव लड़ने का अधिकार पर वोटिंग का नहीं... अब सुप्रीम कोर्ट.....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पेज न. 1 की शेष खबर

यहां तक कि एक देनदार (एक व्यक्ति जिसने अदालत के फैसले के बावजूद अपने कर्ज का भुगतान नहीं किया है) जिसे एक नागरिक के रूप में गिरफ्तार किया गया है, उसे वोट देने के अधिकार से वंचित किया जाता है. सिविल जेलों में नजरबंदी अपराधों के लिये कारावास के विपरीत है. दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, कनाडा, आदि देशों के विपरीत यह प्रतिबंध उचित वर्गीकरण का अभाव है. वर्गीकरण का यह अभाव अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत समानता के मौलिक अधिकार के लिये अभिशाप है.

मतदान से संबंधित कैदियों के क्या हैं अधिकार?

संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मतदान का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) के तहत यह प्रावधान है कि जो व्यक्ति पुलिस की कानूनी हिरासत हैं एवं दोषी ठहराए जाने के बाद जेल की सजा काटने वाला शख्स मतदान नहीं कर सकता. विचाराधीन कैदियों को भी चुनाव में भाग लेने से बाहर रखा जाता है, भले ही उनके नाम मतदाता सूची में हों.

याचिका में यह भी स्वीकार किया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 62 (5) की वैधता को पहले अनुकूल चंद्र प्रधान बनाम भारत संघ (1997) के मामले में बरकरार रखा गया था. हालांकि यह कहा गया है कि उस समय सर्वोच्च अदालत ने मतदान के अधिकार को संविधान के तहत एक वैधानिक अधिकार माना था, ना कि मौलिक अधिकार. याचिका में अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ (2023) के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि तब से, मतदान के अधिकार पर सर्वोच्च न्यायालय का रुख बदल गया है. न्यायालय ने कहा था कि मतदान का अधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं है, बल्कि संविधान के भाग III के अंतर्गत आता है, जिसका अर्थ है कि इसे मौलिक अधिकार का दर्जा प्राप्त है.

सुप्रीम कोर्ट से याचिकाकर्ता ने की ये मांग

इसलिए, याचिकाकर्ता ने अब सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया है कि वह विचाराधीन कैदियों (चुनाव कानूनों के तहत भ्रष्ट आचरण के लिए दोषी ठहराए गए लोगों को छोड़कर) को मतदान का अधिकार प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश जारी करे, चाहे इसके लिए अधिकारियों को जेलों में मतदान केंद्र स्थापित करने का आदेश दिया जाए या डाक मतपत्रों की अनुमति दी जाए.

याचिकाकर्ता ने न्यायालय से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 62(5) के "रिक्त स्थान" को भरने का भी अनुरोध किया है, जिसमें ऐसी शर्तें जोड़ी जाएं, जिनके तहत किसी कैदी को मामले-दर-मामला न्यायिक निर्णयों के आधार पर मतदान के अधिकार से वंचित किया जा सकता है, चाहे वह केवल इस बात से संबंधित हो कि कैदी को कुछ अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है या किसी विशेष कारावास की सजा वाले अपराधों के लिए.

अफगानिस्तान से कोई आतंकी भारत नहीं आएगा, तालिबानी मंत्री से मुलाकात के बाद बोले मदनी

● जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा के बीच स्वागत किया। सुरक्षाकर्मियों ने कड़े प्रोटोकॉल का पालन किया, लेकिन सैकड़ों छात्र और स्थानीय निवासी उनका स्वागत करने के लिए मदरसे में जमा हुए।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर ख़ान मुत्तक़ी ने शनिवार को ऐतिहासिक दारुल उलूम देवबंद इस्लामी मदरसे का दौरा किया और कहा कि भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंध और मज़बूत होने वाले हैं। भारत की छह दिवसीय यात्रा के तहत, इस यात्रा को बदलते क्षेत्रीय परिदृश्य के बीच एक धार्मिक और कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से सड़क मार्ग से आए मुत्तकी का दारुल उलूम के कुलपति मुफ़्ती अबुल कासिम नोमानी, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा के बीच स्वागत किया। सुरक्षाकर्मियों ने कड़े प्रोटोकॉल का पालन किया, लेकिन सैकड़ों छात्र और स्थानीय निवासी उनका स्वागत करने के लिए मदरसे में जमा हुए।

पत्रकारों से बात करते हुए, मुत्तकी ने स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया मैं इस भव्य स्वागत और यहाँ के लोगों द्वारा दिखाए गए स्नेह के लिए आभारी हूँ। मुझे उम्मीद है कि भारत-अफ़ग़ानिस्तान संबंध और भी मज़बूत होंगे। मुत्तकी की यात्रा को एक महत्वपूर्ण धार्मिक और कूटनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह पाकिस्तान के उस दावे को चुनौती देता है कि वह देवबंदी इस्लाम का मुख्य रक्षक और तालिबान का प्रमुख समर्थक है।

देवबंद की यात्रा करके, मुत्तकी ने संकेत दिया कि तालिबान की धार्मिक जड़ें भारत से जुड़ी हैं, जो तालिबान की कूटनीति में बदलाव और पाकिस्तान पर निर्भरता में संभावित कमी का संकेत देता है।

1866 में स्थापित, दारुल उलूम देवबंद दक्षिण एशिया के सबसे प्रभावशाली इस्लामी संस्थानों में से एक है। इस मदरसे ने ऐसे विद्वान और नेता तैयार किए हैं जो इस्लामी शिक्षा और शासन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। तालिबान दारुल उलूम को एक आदर्श संस्थान मानता है और इसके स्नातकों को अक्सर अफ़ग़ानिस्तान की सरकारी भूमिकाओं में प्राथमिकता दी जाती है। अफ़ग़ानिस्तान में वर्तमान में लगभग 15 छात्र दारुल उलूम में पढ़ रहे हैं, हालाँकि 2000 के बाद सख्त वीज़ा नियमों के कारण छात्रों की संख्या कम हो गई है।

तेरी नामक एनजीओ के अधीन में माउंटेन तू मंगरव्स के लिए विश्वनाथ और लखीमपुर जिले की लोगों के साथ हुई बैठक

● बैठक में देश विदेश की नामी हस्तियां शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी 11 अक्टूबर। विश्व की कोका-कोला फाउंडेशन नामक एक बड़ी संस्था ग्लोबल वार्निंग के लिए तथा प्रकृति से जो जो हमारी बीच से गायब हो रही है वह पेड़ संरक्षण के लिए एक कदम उठाया है। जिससे हमारी बकरी ठीक सौंदर्य बाजार रखने के साथ-साथ किसानों को भी आर्थिक लाभ मिल इस तरह का एक प्रोग्राम लेकर आज विश्वनाथ जिले के कुमार बड़ी स्थित एक स्थाई तेरी की कार्यालय में विश्वनाथ और लखीमपुर जिले के लोगों के साथ बातचीत की जिससे लोगों के बीच पैरों की अहमियत और पैरों से किस तरह से हमें आर्थिक लाभ के साथ-साथ परिवेश की प्रदूषण भी रोक सकते हैं। इस बैठक में विदेशी लोग हमारे किसानों की समस्या और हमारे किसानों को किस तरह से आर्थिक लाभ के साथ प्रकृति की सुंदरता किस तरह से रख सकते हैं इसलिए कोका-कोला फाउंडेशन के वेंकट ईयर, आदित्य पांडा और माउंटेन तू मंगरव्स के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ मल्होत्रा, नील बोर (एनआरआई) की तरह दोनों संस्था से देश विदेश की करीब 9 लोक दोनों जिले की किसानों से बातचीत की और उन लोगों ने दोनों जिला को मिलाकर करीब 10 लाख हेक्टर जमीन पर पौधा लगाने की लक्ष्य लिया है इसके लिए उन लोगों को दोनों जिले की किसने की मदद मांगी है।

इस बैठक में विश्वनाथ जिले के समाज सेवक चिरंजीवी पाठक भी शामिल हुए और किसने की समस्या को लेकर उन लोगों से बातचीत की। पाठक ने भी उन लोगों की इस कदम का सरियाना किया। तेरी नामक एनजीओ संस्था की अस्थाई कार्यालय में हुई बैठक के दौरान पाठक ने सरिया ना लेते हुए बोला कि ग्लोबल वार्मिंग के वजह से जिस तरह क्लाइमेट चेंज देखने को मिला इससे हमें किसानों के बीच जागरूकता लाकर पौधों को लगाकर परिवेश को बचाना चाहिए और जिस किसानों को भी आर्थिक लाभ वन हो इस तरह कार्यक्रम लेकर आने के लिए डाक कोका-कोला फाउंडेशन को भी धन्यवाद ज्ञापन की।

क्यों हुआ था अखिलेश यादव का फेसबुक पेज सस्पेंड, अब सपा प्रमुख ने खुद बताई वजह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को अपने फेसबुक अकाउंट के निलंबन पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि एक पत्रकार की मौत और बलिया में एक महिला की संदिग्ध मौत से संबंधित उनके पोस्ट को ग़लती से वयस्क यौन शोषण और हिंसा के रूप में चिह्नित किया गया था। आज सुबह, सपा प्रमुख का फेसबुक अकाउंट बहाल कर दिया गया। अखिलेश ने मीडिया को बताया कि मुझे बाद में पता चला कि मेरा अकाउंट कुछ आपत्तियों के कारण निलंबित कर दिया गया है। मुझे बताया गया कि आपत्ति %वयस्क यौन शोषण और हिंसा% थी। जब मुझे पूरी रिपोर्ट मिली, तो उसमें बलिया की एक महिला और एक पत्रकार की हत्या से संबंधित पोस्ट थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे पता चला कि मेरा अकाउंट इसलिए सस्पेंड कर दिया गया है क्योंकि कुछ आपत्तियाँ थीं। मुझे बताया गया कि आपत्ति %वयस्क यौन शोषण और हिंसा% से जुड़ी थी। जब मुझे पूरी रिपोर्ट मिली, तो उसमें बलिया की एक महिला से जुड़ी पोस्ट थीं, एक पत्रकार की हत्या से जुड़ी पोस्ट थीं... इसमें ग़लत क्या था? हम समझ गए हैं कि जितना ज़मीन पर काम करेंगे, हमारी लड़ाई उतनी ही सफल होगी और इसलिए हम ज़मीन पर ही काम करेंगे।

इससे पहले, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि अकाउंट सस्पेंड करने में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा करते हुए संवाददाताओं से कहा कि फेसबुक ने कार्रवाई की है; इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उनके अकाउंट पर एक बेहद अपमानजनक पोस्ट थी, इसलिए फेसबुक ने अपनी नीति के अनुसार अकाउंट सस्पेंड कर दिया। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। इससे पहले आज समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की आवाज़ दबा रही है। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फखरुल हसन चांद ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि यादव का अकाउंट सस्पेंड करना लोकतंत्र पर हमला है।

भारत से रिश्ते सुधारने में लगे ट्रंप, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने की जयशंकर ने मुलाकात

भारत-अमेरिका संबंधों और इसके वैश्विक महत्व पर चर्चा हुई। उन्हें उनकी नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 9 से 14 अक्टूबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान गोर के साथ प्रबंधन एवं संसाधन उप-सचिव माइकल जे. रिगास भी मौजूद रहेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की, जो सीनेट द्वारा उनकी नियुक्ति की पुष्टि के बाद छह दिवसीय नई दिल्ली यात्रा पर हैं। जयशंकर ने ङ्क पर पोस्ट किया आज नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत-पदनामित सर्जियो गोर से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत-अमेरिका संबंधों और इसके वैश्विक महत्व पर चर्चा हुई। उन्हें उनकी नई ज़िम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 9 से 14 अक्टूबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान गोर के साथ प्रबंधन एवं संसाधन उप-सचिव माइकल जे. रिगास भी मौजूद रहेंगे।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका रणनीतिक और व्यापारिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीके तलाश रहे हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, हाल ही में भारत पहुँचे गोर बाद में औपचारिक रूप से अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी शनिवार को गोर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साझा किया विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और इसकी साझा प्राथमिकताओं पर उपयोगी बातचीत हुई। विदेश सचिव ने मनोनीत राजदूत गोर को उनके कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले, जयशंकर ने 24 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र के दौरान गोर से मुलाकात की थी, जहाँ दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा की थी। मुलाकात के बाद, अमेरिकी विदेश विभाग ने एक्स पर साझा किया, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत और भारत में राजदूत नामित सर्जियो गोर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भारत के विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की। वे अमेरिका-भारत संबंधों की सफलता को और बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं।

अमेरिका के मिसिसिपी के स्कूल में फायरिंग, 4 लोगों की मौत

● ली ने बताया कि गोलीबारी मुख्य सड़क पर हुई। उन्होंने बताया कि लोग लेलैंड हाई स्कूल के घर वापसी मैच के लिए शहर में थे। लेलैंड स्कूल डिस्ट्रिक्ट की वेबसाइट से पता चलता है कि लेलैंड हाई स्कूल को चार्ल्सटन हाई स्कूल के खिलाफ घर वापसी मैच खेलना था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिसिसिपी के लेलैंड में शनिवार सुबह तड़के हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। लेलैंड के मेयर जॉन ली ने सीबीएस न्यूज़ को बताया कि गोलीबारी आधी रात के आसपास हुई और चार घायलों को स्थानीय अस्पतालों में एयरलिफ्ट किया गया। उनकी हालत के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है और जाँच जारी है। ली ने बताया कि गोलीबारी मुख्य सड़क पर हुई। उन्होंने बताया कि लोग लेलैंड हाई स्कूल के घर वापसी मैच के लिए शहर में थे। लेलैंड स्कूल डिस्ट्रिक्ट की वेबसाइट से पता चलता है कि लेलैंड हाई स्कूल को चार्ल्सटन हाई स्कूल के खिलाफ घर वापसी मैच खेलना था। लेलैंड, वाशिंगटन काउंटी का एक छोटा शहर है। 2020 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, इसकी आबादी लगभग 4,000 है। लेलैंड में सामान्य से अधिक व्यस्तता थी, क्योंकि स्थानीय हाई स्कूल में घर वापसी के उपलक्ष्य में फुटबॉल मैच खेला जाना था, जो कि अमेरिका की वार्षिक परंपरा है, आमतौर पर शरद ऋतु में, जब पूर्व छात्रों का स्कूल की भावना और समुदाय का जश्न मनाने के लिए स्वागत किया जाता है।

गाजा विरोध में पाकिस्तान लहूलुहान- पुलिस-इस्लामी समूह झड़प में 11 की मौत, तनाव गहराया

● पंजाब पुलिस को फ्रइज़राइली गुंडेफ्र बताते हुए, तहरीक-ए-लब्बैक ने दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उसके 11 सदस्य मारे गए और 50 से ज़्यादा घायल हो गए। सुबह से अब तक टीएलपी के 11 लोग मारे जा चुके हैं। लगातार गोलाबारी और गोलीबारी हो रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लाहौर में शनिवार को पुलिस और इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के बीच हिंसक झड़पें जारी रहीं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को राजधानी की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, जहाँ वे फ़िलिस्तीन समर्थक रैली निकालने वाले थे। पंजाब पुलिस को ÷इज़राइली गुंडे÷ बताते हुए, तहरीक-ए-लब्बैक ने दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उसके 11 सदस्य मारे गए और 50 से ज़्यादा घायल हो गए। सुबह से अब तक टीएलपी के 11 लोग मारे जा चुके हैं। लगातार गोलाबारी और गोलीबारी हो रही है।

इज़राइल द्वारा गाजा में की गई हत्याओं के विरोध में गुरुवार को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शनिवार को और तेज़ हो गया जब पुलिस ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाहौर के आज़ादी चौक के पास झड़पें तेज़ हो गईं, जहाँ कई पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई और कई अधिकारी घायल हो गए।

कई इलाकों में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए, शिपिंग कंटेनर रख दिए और यहाँ तक कि खाइयाँ भी खोद दीं ताकि टीएलपी के हज़ारों प्रदर्शनकारियों को, जिनका नेतृत्व संगठन के प्रमुख साद रिज़वी कर रहे थे, इस्लामाबाद की ओर अमेरिकी दूतावास के पास प्रदर्शन के लिए जाने से रोका जा सके। लाहौर इस्लामाबाद से लगभग 370 किलोमीटर दूर है। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को बड़ी भीड़-भाड़ से बचने और अपने आस-पास के वातावरण के प्रति सचेत रहने की सलाह दी है।